

: ब्रीफ बॉक्स :

मंडला में गणेश पंडाल में कर्ट लगने से 4 मौतें, 3 की हालत गंभीर

मंडला,एजेसी। भारत साउथ एशिया में सुरक्षित 'डिजिटल हब' बनकर उभर रहा: भारत द, एशिया में सुरक्षित 'डिजिटल हब' बनकर उभर रहा है। लक्षद्वीप सागर का केबल कॉरिडोर के रूप में महत्व बढ़ने से भारत को हिंद महासागर में नई रणनीतिक बढ़त मिलेगी। साथ ही, वैश्विक टेक कंपनियों के भारी निवेश और बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी के अवसर भी तेजी से बढ़ेगा।मंडला जिले के नैनपुर क्षेत्र के हीरापुर गांव में शनिवार सुबह गणेश मंच के पंडाल में सो रहे लोगों पर बिजली का तार टूटकर गिर गया। कर्त फैलने से चार युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। एक घायल की हालत गंभीर है, जिसे जिला अस्पताल भेजा गया है। मृतकों में जैनु भांवरे (19), रवि झारिया (24), कृष्ण कुमार भांवरे (18) और वीरेंद्र भांवरे (24) शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल युवक का नाम प्रियांशु है। एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के अनुसार, समिति के सदस्य सुबह करीब 4 बजे गणेश प्रतिमा का विसर्जन कर लौटे थे।

केदारनाथ में 15.45 लाख लोगों ने फैलाया 250 टन कचरा

रुद्रप्रयाग, एजेसी। केदारनाथ धाम में 15.45 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने 156 दिन में 250 टन कचरा फैला दिया, जिसे साफ करने का काम जारी है। गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ तक 16 किलोमीटर पैदल मार्ग में जगह-जगह प्लास्टिक की पनियां और खाने-पीने का सामान बिखरा नजर आ रहा है। यह कचरा 2025 की पूरी यात्रा अवधि में निकले 21.40 टन कचरे से 10.7 गुना से भी ज्यादा है। यह जानकारी केदारनाथ नगर पंचायत और सुलभ इंटरनेशनल ने दी है। हालात को देखते हुए 450 से ज्यादा कर्मचारियों को कूड़ा उठाने में लगाया गया है। इनमें सुलभ इंटरनेशनल, नगर पंचायत और जिला पंचायत के कर्मचारी शामिल हैं। यात्रा मार्ग पर 31 सुलभ शौचालय और 71 स्टील फ्रेम शौचालय संचालित किए जा रहे हैं।

पुडुचेरी के स्कूलों में अब मिड-डे मील में मिलेगी मछली

पुडुचेरी,एजेसी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए एक बहुत बड़ी और अच्छी खबर सामने आई है। पुडुचेरी प्रशासन ने अपने स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे मील की थाली में मछली आधारित व्यंजन शामिल करने का ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा है। पुडुचेरी में साल 1930 में फ्रांसीसी शासन के दौरान मिड-डे मील योजना शुरू की गई थी। तब से लेकर अब तक बच्चों को खाने में अंडे दिए जाते रहे हैं, लेकिन अब मछली के रूप में यह मेनू में पहली बार कोई मांसाहारी विकल्प जुड़ने जा रहा है। **शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में:** मत्स्य मंत्री के कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, शुरुआत में इस योजना को पुडुचेरी और यानम क्षेत्रों के चुनिंदा स्कूलों में एक परीक्षण के तौर पर लागू किया जाएगा। बता दें कि पुडुचेरी के इस कदम के साथ ही वह उन चुनिंदा क्षेत्रों में शामिल हो जाएगा जहां स्कूली बच्चों को मछली परोसी जाती है।



जोधपुर,एजेसी। जोधपुर के आसमान में आज दुनिया के खतरनाक लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' शनिवार से शुरू हो गया। 12 अक्टूबर

तक जोधपुर एयरबेस पर चलने वाले युद्धाभ्यास में भारत समेत 8 देशों की वायु सेनाओं के जवान हिस्सा ले रहे हैं। इस एक्सरसाइज में शामिल होने के लिए 32 ऑब्ज़र्वर और लगभग 100 एयरक्राफ्ट यहां पहुंचे हैं। इसमें 3,000 से ज्यादा एयर वॉरियर्स भाग ले रहे हैं। खास तौर से राफेल, तेजस, सुखोई 30 एमकेआई, पांचवीं पीढ़ी का एफ 35, एफ 16 और हवा में ईंधन भरने वाले

जोधपुर में तैनात दुनिया के शक्तिशाली लड़ाकू विमान

● युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' शुरू ● 8 देशों के 3 हजार से ज्यादा एयर वॉरियर्स हो रहे शामिल



एयरक्राफ्ट (एयर-टू-एयर रिफ्यूलर) जैसे कई विमान एक साथ ऑपरेशनल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली लर्निंग का अभ्यास करेगी। इस इंटरनेशनल एक्सरसाइज में जोधपुर सहित वेस्टर्न बॉर्डर के 4-5 एयरबेस शामिल होंगे। यहां से ये विमान अपनी टास्क के अनुसार ऑन एयर होकर टारगेट को तबाह करेंगे।

फ्रांस के डिटी कमांडर बोले- तरंग शक्ति हमारे लिए महत्वपूर्ण... फ्रांस वायु रक्षा एवं हवाई संचालन कमान के डिटी कमांडर जुलियन साबेने ने कहा- यह युद्धाभ्यास हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। यही वजह है कि हम समय पर यहां पहुंचने के लिए दुनिया के दूसरे छोर से आए हैं। अपने पेंगासस 26 मिशन के तहत हम दुनिया के दूसरे कोने से चार लड़ाकू विमान यहां लाए हैं। भारत, फ्रांस का बहुत ही महत्वपूर्ण वैश्विक रणनीतिक साझेदार है और हम यह दिखाना चाहते हैं कि हम अपने साझेदार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए कितने प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर राफेल विमान खरीदने की चर्चा पर काम करने के लिए हमारे पास कुल सात राफेल विमान होंगे। भारत की ओर से फ्रांस से 114 राफेल विमान खरीदने की चर्चा पर उन्होंने कहा- हमें बेहद खुशी है कि वे फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना से खरीदारी कर रहे हैं।

चीन के रूट से हट रहे इंटरनेट केबल, अब ये हिंद महासागर में बिछ रहे

भारत को फायदा; दुनिया का 99% डेटा समुद्र के नीचे चलता है

नई दिल्ली,एजेसी। दुनियाभर में इंटरनेट का 99% डेटा समुद्र के नीचे बिछे केबलों के जरिए चलता है। पिछले दस सालों तक चीन के पास मौजूद दक्षिण चीन सागर और लाल सागर इसके मुख्य रास्ते थे। लेकिन युद्ध, तनाव और लालफीताशाही के कारण अब कंपनियां इन रास्तों से बच रही हैं।

नए इंटरनेट केबल सीधे हिंद महासागर से बिछाए जा रहे हैं, ताकि एआई जैसी सेवाओं के लिए बिना रुकावट तेज इंटरनेट मिल सके। इस बड़े बदलाव से भारत को बड़ा फायदा हो रहा है और मुंबई के बाद अब चेन्नई भी दुनिया का नया बड़ा इंटरनेट हब



भारत साउथ एशिया में सुरक्षित 'डिजिटल हब' बनकर उभर रहा... भारत द, एशिया में सुरक्षित 'डिजिटल हब' बनकर उभर रहा है। लक्षद्वीप सागर का केबल कॉरिडोर के रूप में महत्व बढ़ने से भारत को हिंद महासागर में नई रणनीतिक बढ़त मिलेगी। साथ ही, वैश्विक टेक कंपनियों के भारी निवेश और बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी के अवसर भी तेजी से बढ़ेंगे।

बन रहा है। किसी देश की अर्थव्यवस्था को बना सकता है अपाहिज: सबमरीन केबल दुनिया के 99% इंटरनेट ट्रैफिक को संभालते हैं, जिसके बिना वैश्विक बैंकिंग, संचार व अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी। आने वाले समय में एआई, क्लाउड डेटा और सुपरकंप्यूटिंग की भारी जरूरतों के कारण इनकी रणनीतिक अहमियत और कई गुना बढ़ेगी। यह स्थिति एक 'अदृश्य युद्ध' जैसी ही है, जहां किसी देश के केबल काट देना बिना मिसाइल चलाए उसकी अर्थव्यवस्था को अपाहिज बना सकता है।

कर्नाटक सीएम का दावा- 12

विधायकों ने दो शादियां कीं

● बोले- बेंगलुरु आने वाले वापस नहीं जाते ● यहां 12 साल में 40 लाख आबादी बढ़ी

बेंगलुरु,एजेसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के 'करीब 12 विधायकों की दो शादियां हैं' वाले बयान पर विवाद हो गया है। उन्होंने गुरुवार को विधानसभा में बेंगलुरु में बढ़ते शहरीकरण और आबादी पर बात करते हुए यह टिप्पणी की।

शिवकुमार ने कहा- बेंगलुरु आने वाले लोग वापस नहीं जाते। यहां रहने वाले करीब एक दर्जन विधायकों की दो शादियां हैं और मैं उनकी लिस्ट दे सकता हूं। इसके बाद भाजपा नेताओं ने उनसे इन विधायकों के नाम बताने की मांग की।

2011 की जनगणना के मुताबिक बेंगलुरु की आबादी 96 लाख थी। 2023 की केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुमान के मुताबिक यह बढ़कर 1.36 करोड़ हो गई। यानी करीब 12 साल में शहर की आबादी में लगभग 40 लाख की बढ़ोतरी हुई।

शिवकुमार ने बेंगलुरु के विकास का जिक्र किया: शिवकुमार ने कहा कि केमपेगोड़ा ने बेंगलुरु बनाया, केंगल हनुमंतैया ने विधान सौध बनाया और एसएम कृष्णा ने शहर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि दूसरे



भाजपा बोली- वाहर से आए सभी विधायकों पर सवाल उठे... विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शिवकुमार के बयान को गैर-जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि अब बेंगलुरु के बाहर से आए विधायकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अशोक ने बताया कि वह खुद बेंगलुरु में पैदा हुए और यहीं पले-बढ़े हैं।

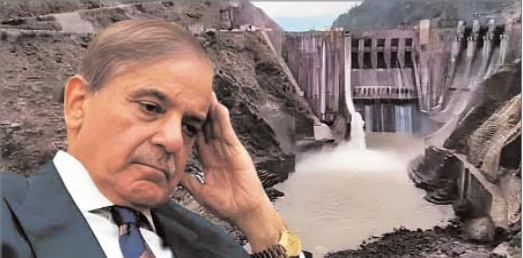
इलाकों से आने वाले लोग यहां बस जाते हैं। शिवकुमार ने धारवाड़ और दक्षिण कन्नड़ समेत कुछ जिलों से आने वाले विधायकों का भी जिक्र किया, लेकिन किसी का नाम नहीं बताया।

पाकिस्तानी पीएम की धमकी- पानी रोकना जंग जैसा

● यूएन में शहबाज बोले- कश्मीर गले की नस ● भारत का जवाब- अवैध कब्जे वाले कश्मीर की हालत देखें

न्यूयॉर्क,एजेसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान युद्ध की कार्रवाई मानेगा।

शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए गर्दन की नस है। कश्मीर का मुद्दा उठाने पर



ह में भारत की फर्स्ट सेक्रेटरी पेटल गहलोट ने कहा कि पाकिस्तान को अवैध कब्जे वाले कश्मीर (PoK) की

बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्वि सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए

पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र... शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया।

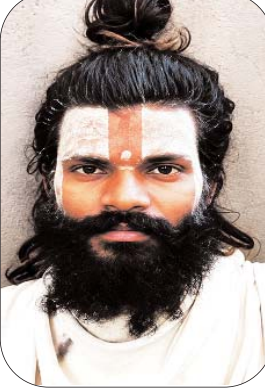
कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है।

प्रेमानंदजी का शिष्य चौथी मंजिल से कूदा, मौत:

2 साल पहले दीक्षा ली थी, परिवार का आरोप- मिलने नहीं दिया जाता था

मथुरा,एजेसी। मथुरा के वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के 25 साल के शिष्य ने चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी। शुरुआती जांच में पता चला है कि गुरुवार सुबह रसिक दुलारी शरण चौथी मंजिल पर गए। कुछ देर वहां बैठे और फिर छलांग लगा दी। गंभीर हालत में उन्हें सर्वोदय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, उनके शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। कमरे से ग्राइंडर मिला है। उस पर खून के



निशान लगे हैं। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। आशंका है कि रसिक दुलारी ने खुद को इससे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। सीओ सदीप सिंह ने कहा- जांच में एक CCTV मिला है, इसमें रसिक दुलारी शरण बिल्डिंग से कूदते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने सुसाइड क्यों किया। इसकी जांच की जा रही है। मामला वाराह घाट इलाके की 4 मंजिला गुरु कृपा कुंज बिल्डिंग

का है। यह बिल्डिंग प्रेमानंद महाराज के ट्रस्ट केली कुंज की है। इसमें प्रेमानंदजी के आश्रम से जुड़े 50 से ज्यादा शिष्य और सेवादार रहते हैं। यह बिल्डिंग प्रेमानंद के पुराने केली गुंज आश्रम से 500 मीटर दूर है। घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे हुई। पुलिस का कहना है कि आधे घंटे तक वह वहीं पड़े रहे। बाद में नजर पड़ी तो प्रेमानंद के शिष्य उन्हें अस्पताल ले गए। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से पुलिस को सूचना दी गई। स्किसिटी राजीव कुमार ने बताया- परिवार ने थाने में शिकायत दी है। आरोप लगाया है कि उन्हें रसिक से मिलने नहीं दिया जाता था। हालांकि, उनके आरोपों की जांच की जा रही है।

अर्नब चक्रवात का असर

यूपी में 48 घंटे आंधी-बारिश, 13 मौतें, उत्तराखंड में बर्फबारी-लैंडस्लाइड

● राजस्थान-एमपी समेत 14 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली,एजेसी। अर्नब चक्रवात के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ समेत 8 राज्यों में तेज बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से लगातार बारिश हो रही है। 40-50 किमी/घंटे की हवाएं चल रही हैं। अगल-अलग हादसों में 13 लोगों की मौत हो चुकी



है। 32 जिलों में बाढ़ का खतरा है। लखनऊ के कई इलाकों में सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया है। घरों के अंदर पानी घुस गया है। आंधी में पड़े गिर गए हैं। कन्नौज में आगरा-



लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आंधी-बारिश से कार पलट गई। कार में पांच लोग फंस गए। बिहार में सुपौल के 50 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 19 जिलों में यलो अलर्ट है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में 55 लोगों का रेस्क्यू, घमटरी में कार बही... छत्तीसगढ़ के दुर्ग में लगातार बारिश के बाद शिवनाथ नदी में पानी बढ़ गया है। कुम्हारी में बाढ़ का पानी बरितियों तक पहुंचने से परिवार फंस गए। नगर सेना और सस्त्रक ने रात 12 से सुबह 5 बजे तक चले रेस्क्यू में 50-55 लोगों को सुरक्षित निकाला।

3 लोगों की मौत हुई है। उत्तराखंड में चमोली के हेमकुंड साहिब, बदीनाथ में बर्फबारी हुई है। पिथौरागढ़-घाट सड़क पर लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा गाड़ियां फंस गई हैं।

कांग्रेस बोली- ज्ञानेश कुमार

को पीएम बना देना चाहिए

● पद्म भूषण उनके लिए छोटी चीज ● बंगाल भाजपा

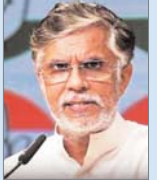
अध्यक्ष ने कहा था- सीईसी सम्मान के हकदार

नई दिल्ली/कोलकाता,एजेसी। कांग्रेस ने शनिवार को बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के बयान पर तंज कसा। कांग्रेस प्रवक्ता नेता पवन खेड़ा कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के लिए पद्म भूषण बहुत छोटी चीज है। उन्हें प्रधानमंत्री बना देना चाहिए। जो दूसरों को पीएम बना सकता है, उसे खुद पीएम बनना चाहिए।

दरअसल, समिक भट्टाचार्य ने एक दिन पहले कहा था कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल में हिंसा मुक्त विधानसभा चुनाव कराने और मतदाता सूची को साफ करने में अहम भूमिका निभाई। इस काम के लिए वह कम से कम पद्म भूषण के हकदार हैं। भट्टाचार्य ने दावा किया कि

भट्टाचार्य ने कहा था- बंगाल में लोगों ने बिना डटे वोट किया... समिक भट्टाचार्य ने शुक्रवार को उत्तर 24 परगना के पानीहाटी में कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने लंबे समय बाद ऐसा चुनाव देखा, जिसमें डर का माहौल नहीं था। उनके मुताबिक, लोगों को वोट डालने का मौका मिला और चुनाव के दौरान हत्या की घटनाएं नहीं हुईं।

ज्ञानेश कुमार ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण में अहम पहल की।



संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध अवस्था में युवती की मौत



गुवाहाटी,एजेंसी। गुवाहाटी महानगर के गरल इलाके में एक युवती की संदिग्ध अवस्था में मौत के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि शहर के गरल इलाके के एक होमस्टे में युवती संदिग्ध अवस्था में मृत पाई गई। युवती का शव का रुद्रियास किचन होमस्टे से बरामद हुआ है। युवती बीती रात में दोस्त के साथ घर से निकली थी। पीड़िता ने रात में अपनी मां को फोन करके बताया कि उसके साथ मारपीट हुई है। मां को फोन करने के बाद युवती का मोबाइल फोन बंद हो गया। बताया गया है कि युवती रात में होमस्टे के बाहर मदद के लिए चिल्ला रही थी। घटना के सिलसिले में युवती के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। होमस्टे आशीष अली के नाम पर बुक किया गया था। मृत युवती धारापुर की रहने वाली बताई गई है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

पति पर पत्नी की हत्या का आरोप, फरार



धुबडी (असम),एजेंसी। धुबडी जिलांतर्गत चापर के सोवारी इलाके में पति द्वारा पत्नी की बड़ी बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि बीती रात चापर सोवारी के निजपट्टी इलाके में नशे में धुत एक व्यक्ति की अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। नाजिज पति ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिसके चलते महिला की मौत हो गयी। घटना के बाद से हत्या का आरोपित तुलसी उरांव फरार है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपित की तलाश कर रही है।

एनआईए मामले में गिरफ्तार सात विदेशी नागरिकों को विदेश जाने की अनुमति

नई दिल्ली,एजेंसी। पटियाला हाउस कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक मामले में गिरफ्तार सात विदेशी नागरिकों को उनके मूल देशों अमेरिका और यूक्रेन जाने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार मौलिक अधिकारों का विस्तार है। विशेष एनआईए जज प्रशांत शर्मा ने दिए आदेश में अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरोन वैन डाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों को इमिग्रेशन एंड फॉर्नर्स एक्ट, 2025 की धारा 21 और 23 के तहत बरी कर दिया। एफआरआरओ ने पहले 18 सितंबर को प्रत्येक पर 5.5 लाख रुपये जमाना लगाकर अपराधों को कंपाउंड कर दिया था। जज शर्मा ने कहा कि आरोपियों ने पासपोर्ट रिलीज और विदेश यात्रा की अनुमति के लिए आवेदन किए थे। अदालत ने नोट किया कि यूपीए के तहत जांच जारी है और एनआईए को इसे पूरा करने में समय लगेगा। अदालत ने उन्हें एक महीने के लिए अमेरिका और यूक्रेन जाने की अनुमति दी। शर्तें यह हैं कि वे एनआईए की मांग पर वचुंअल या शारीरिक रूप से जांच में शामिल होंगे, 24 घंटे में पता, मोबाइल नंबर और ईमेल देंगे तथा एक महीने बाद भारत लौटेंगे।

दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए आर्थिक मदद

देहरादून,एजेंसी। जिले में दुर्लभ (रैरर) बीमारियों से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए जिला प्रशासन ने आर्थिक सहायता की व्यवस्था की है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत अब तक 32 बच्चों को चिन्हित किया गया है। इनमें से 22 बच्चों का उपचार आरबीएसके के तहत कराया जा रहा है, जबकि योजना के दायरे से बाहर आने वाले 10 बच्चों के उपचार के लिए सीएसआर फंड से 9.60 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। प्रशासन के अनुसार जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पर सीएसआर फंड की धनराशि मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध कराई गई है। जिला प्रशासन के सहयोग से प्रेमनगर निवासी 10



वर्षीय उमेश, बैराज निवासी 13 वर्षीय आयशा, डोईवाला निवासी 9 वर्षीय वंशिका, रायपुर निवासी 2 वर्षीय अक्ष, मेहूवाला निवासी 3 वर्षीय आरिस, मांडूवाला निवासी 15 वर्षीय बाबू एवं प्रदीप, मांडूवाला निवासी 20 वर्षीय रंजीत, डोईवाला निवासी 5 वर्षीय

रेल यात्रियों ध्यान दें गाजियाबाद में साढ़े 7 घंटे का मेगा ब्लॉक

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में संरक्षा कार्य के चलते चार दिसंबर को साढ़े सात घंटे का ट्रेफिक ब्लाक लिया जाएगा। इसके कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। रेलवे ने आठ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया है। बदले मार्ग से चलने के कारण कई ट्रेनों के निर्धारित स्टॉपेज भी छूटेंगे।
चार दिसंबर को इन ट्रेनों का बदलेगा मार्ग: 1. इंदौर-जंक्शन-ऊना हिमाचल एक्सप्रेस (19307): चार दिसंबर को यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसका मेरठ सिटी स्टॉपेज छूटेगा। 2. कोटा-देहरादून नंदा देवी एक्सप्रेस (12401): यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी-रुड़की के रास्ते चलेगी। निर्धारित मार्ग के गाजियाबाद-मेरठ सिटी-देवबंद-बानहेड़ा खास के बजाय यह मार्ग अपनाया जाएगा। इसके गाजियाबाद, मेरठ सिटी और

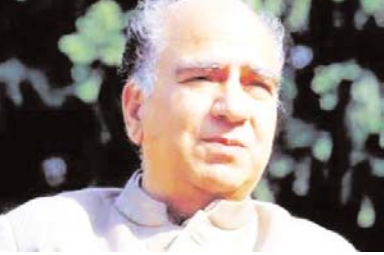
दिल्ली की ओर आने वाली ट्रेनें भी प्रभावित

5. अमृतसर-बांद्रा टर्मिनल गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस (12904): यह ट्रेन टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन जंक्शन के रास्ते चलेगी। इसके मुजफ्फरनगर, सकोती टांडा, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी और गाजियाबाद स्टॉपेज छूटेंगे। 6. देहरादून-कोटा नंदा देवी एक्सप्रेस (12402): चार दिसंबर को यह ट्रेन रुड़की-टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन जंक्शन के रास्ते चलेगी। इसके मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी और गाजियाबाद स्टॉपेज छूटेंगे। 7. अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18238): यह ट्रेन टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन जंक्शन के रास्ते चलेगी। इसके मुजफ्फरनगर, मेरठ कैंट, सकोती टांडा, मुजफ्फरनगर और साहिबाबाद स्टॉपेज छूटेंगे। 8. कोटद्वार-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस (14090): यह ट्रेन टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-आनंद विहार टर्मिनल के रास्ते चलेगी। इसके देवबंद, मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी और मोदीनगर स्टॉपेज छूटेंगे।

मुजफ्फरनगर स्टॉपेज छूटेंगे। 3. बांद्रा टर्मिनल-हरिद्वार एक्सप्रेस (19019): चार दिसंबर को यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसके गाजियाबाद, नया गाजियाबाद, मोदीनगर, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, सकोती टांडा, मुजफ्फरनगर और मुजफ्फरनगर स्टॉपेज छूटेंगे। 4. साबरमती-योग नगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस (19031): यह ट्रेन पुरानी दिल्ली-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसके गाजियाबाद, नया गाजियाबाद, मोदीनगर, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, सकोती टांडा, मुजफ्फरनगर और देवबंद स्टॉपेज छूटेंगे।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री से करवाया जाए

टॉय ट्रेन का उद्घाटन : शांता कुमार



पालमपुर,एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने हिमाचल सरकार से सौरभ कालिया वन बिहार में तैयार की गई टॉय ट्रेन का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन मंत्री से करवाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि इससे हिमाचल की इस टॉय ट्रेन की ओर पूरे देश का ध्यान आकर्षित होगा और प्रदेश राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और प्रमुखता से उभरेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से हिमाचल में पर्यटन को तेजी से बढ़ावा मिलेगा। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि यह हिमाचल प्रदेश के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि सौरभ

कालिया वन बिहार में बन रही टॉय ट्रेन के सभी परीक्षण सफल रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में इसके अंतिम तकनीकी परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं। संबंधित कंपनी पिछले दो वर्षों से इस परियोजना पर काम कर रही थी और करीब दो करोड़ रुपये की लागत से टॉय ट्रेन की योजना को पूरा किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वन विभाग और संबंधित कंपनी का धन्यवाद करते हुए हिमाचल प्रदेश की जनता को बधाई दी। शांता कुमार ने कहा कि कारगिल युद्ध के प्रथम शहीद केटन सौरभ कालिया के नाम पर उन्होंने अपनी सांसद पद से इस वन बिहार का निर्माण करवाया था। अब टॉय ट्रेन के शुरू होने के बाद शहीद के नाम पर बना यह पार्क पूरे देश में प्रसिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि टॉय ट्रेन के शुरू होने से सौरभ कालिया वन बिहार एक प्रमुख पर्यटन आकर्षण के रूप में विकसित हो सकता है। इससे क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

एआई से कमजोर हो रही सोचने की ताकत: रिपोर्ट में हुआ खुलासा,

वने-समझने की क्षमता बचाने के लिए अपनाएं ये तरीके

वॉशिंगटन,एजेंसी। आप किसी सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर डालें या कोई भी न्यूज वेबसाइट खंगालकर देखें, हर तरफ बस कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की चर्चा ही छाई है। कोई इसके फायदे गिना रहा तो कोई इसके खतरों को लेकर आगाह कर रहा है। एआई निजता में संध लगा रहा, लोगों की नौकरियां छिन जाएंगी, पूरी मानवता खतरे में आ जाएगी...ऐसी तमाम आशंकाओं के बीच एक बात सौ फीसद सच है कि इस पर अत्यधिक निर्भरता लोगों की सोचने-समझने की क्षमता को कुंद कर रही है। गहन सोच और तार्किक क्षमता बढ़ाने की जरूरत अगर आप चाहते हैं कि एआई के इस दौर में भी आपका दिमाग कमजोर न पड़े तो गहन सोच और तार्किक क्षमता बढ़ाने जैसे अभ्यास लगातार करते रहें। दुनियाभर के शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को मौजूदा समय में यह चिंता सता रही है कि अब जबकि एआई झट से हमारी हर समस्या का समाधान निकाल दे रहा है, लोगों खासकर छात्रों की तार्किक क्षमता तेजी से कमजोर हो रही है। हाल ही में पेकिंग स्थित सिंचुआ यूनिवर्सिटी के शिक्षा शोधकर्ता

लिविसयांग यान ने एक ऑनलाइन कोर्स के दौरान पाया कि कोडेक्स एआई एजेंट छात्रों की जगह खुद सारे असाइनमेंट पूरे कर सकता था, सवालों के जवाब दे सकता था। एजेंसी छात्रों में तर्कसंगत सोच बढ़ाना शिक्षकों की जिम्मेदारी शिक्षकों को असाइनमेंट और परीक्षाओं का प्रारूप इस तरह तैयार करना चाहिए जिससे छात्र केवल एआई से कॉपी-पेस्ट न कर सकें। बल्कि व्यक्तिगत अनुभव, व्यावहारिक डाटा का विश्लेषण होना चाहिए। क्रिटिकल थिंकिंग या गहन सोच को हर जगह एक तरह से लागू नहीं किया जा सकता। इतिहास में क्रिटिकल थिंकिंग का मतलब खोतों की प्रामाणिकता जानना है, जबकि विज्ञान में यह सबूतों और सिद्धांतों के बीच के संबंध को समझना है। इसलिए विषय के अनुसार अलग तर्क पद्धतियों का अभ्यास करें। क्रिटिकल थिंकिंग रातों-रात नहीं आती। वर्षों के अभ्यास, निरंतर अध्ययन और विभिन्न विषयों को गहराई से समझने से दिमाग मजबूत होता है। इसलिए शॉर्टकट छोड़कर दिमाग पर थोड़ा दबाव डालने की आदत को बरकरार रखना होगा।

भारत-अमेरिका संबंधों में अड़चन रहा है व्यापार: ट्रंप प्रशासन बोला- ट्रेड डील का 90 फीसदी से ज्यादा काम पूरा

न्यूयॉर्क,एजेंसी। अमेरिका-भारत व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्ष संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाएगा। इससे उन क्षेत्रों में भी प्रगति का रास्ता खुलेगा, जहां दशकों से उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी है। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। अधिकारी ने कहा कि व्यापार समझौते को लेकर दोनों देश लगभग 90 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं और कुछ अंतिम मुद्दों पर काम किया जा रहा है।

पीटीआई के इस सवाल के जवाब में कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर कब हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, अधिकारी ने कहा, 'मैं कहूंगा कि इंतजार कीजिए, जैसा कि हम लगातार कहते रहे हैं। लेकिन हम बहुत करीब हैं। यह 90 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है और बस कुछ अंतिम चीजों पर काम



किया जा रहा है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि आप बहुत जल्द इस पर कुछ देखेंगे। '

अमेरिकी अधिकारी ने व्यापार के मुद्दे को क्यों बताया अड़चन: उन्होंने कहा, 'और यह वास्तव में अमेरिका-भारत संबंधों को एक और स्तर पर ले जाएगा। व्यापार के मामले में ऐसा स्तर हासिल नहीं हो सका है, जिस तल हम दशकों से पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।' अधिकारी ने कहा कि व्यापार

हमेशा दोनों देशों के संबंधों में सबसे बड़ा अड़चन वाला मुद्दा रहा है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं और जब हम वाहू पहुंचेंगे तो यह बहुत, बहुत उत्साहजनक होगा।' अक्टूबर में विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भारत यात्रा को लेकर पूछे गए एक अन्य सवाल पर अधिकारी ने कहा, 'यह अमेरिका-भारत साझेदारी के लगातार विस्तार और उस पर दिए जा रहे ध्यान का हिस्सा है। बहुत कुछ हो रहा है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिसंबर में अमेरिका द्वारा फ्लोरिडा में आयोजित किए जाने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अमेरिका जाने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में कुछ बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं।

क्वाड की बैठक को लेकर क्या बोला

शमशाद तथा जोगीवाला निवासी 5 वर्षीय दिव्यांश का उपचार कराया गया है। इनमें कई बच्चों की सर्जरी के साथ-साथ लंबे समय तक नियमित चिकित्सकीय पर्यवेक्षण की आवश्यकता है। गंभीर एवं दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित ऐसे बच्चे, जिनके अभिभावक महंगे उपचार का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं व जिन्हें सर्जरी अथवा लंबे समय तक उपचार की आवश्यकता है, उनका उपचार देश के विभिन्न विशेषज्ञ एवं उच्च चिकित्सा सुविधाओं से युक्त संस्थानों में कराया जा रहा है। डीएम द्वारा आवश्यकता के अनुसार सीएसआर फंड के साथ-साथ राइफल क्लब फंड से भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए

पयूंला नारायण मेला समिति का पुनर्गठन

● लक्ष्मणसिंह नेगी बने अध्यक्ष

ज्योतिर्मठ,एजेंसी। कल्प क्षेत्र भक्ती-भंटा स्थित पयूंला नारायण मंदिर की व्यवस्थाओं और नंदा-सुनंदा देवी जात सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों के संचालन के लिए मेला समिति का पुनर्गठन किया गया है। बैठक में लक्ष्मण सिंह नेगी को सर्वसम्मति से समिति का अध्यक्ष चुना गया। मंदिर पोपता प्रांगण में शुक्रवार शाम ग्रामीणों की हुई बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए भारत सिंह चौहान को सचिव, वीरेंद्र सिंह चौहान को कोषाध्यक्ष और अरविंद सिंह फर्सवाण को उपाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी सदस्यों में जगत सिंह नेगी, पूर्व केप्टन रघुवीर सिंह पंवार, आरती फर्सवाण, मनोहर सिंह पंवार,



मुकेश कंडवाल, मोटी चौहान और अजय चौहान शामिल हैं। इस अवसर पर मेला समिति के पूर्व अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह फर्सवाण, पूर्व सचिव रघुवीर सिंह चौहान, पूर्व कोषाध्यक्ष नंदा सिंह नेगी और उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह रावत ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नेगी ने कहा कि पयूंला नारायण धाम में श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का विकास, मंदिर की

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना और धार्मिक परंपराओं का संरक्षण समिति की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने मंदिर परिसर में धर्मशाला निर्माण के लिए प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पयूंला नारायण धाम के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ क्षेत्र में तीर्थयात्रन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। नेगी ने अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के लिए ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

हिमाचल के सरकारी सीबीएसई स्कूलों में पांच रंगों की

होगी यूनिफॉर्म, 2027-28 से लागू होगी नई व्यवस्था

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की यूनिफॉर्म अब तय रंग और मूल डिजाइन के अनुसार होगी। शिक्षा विभाग ने नई यूनिफॉर्म को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नई यूनिफॉर्म शैक्षणिक सत्र 2027-28 से लागू होगी। इसमें हल्का हरा, फॉरेस्ट ग्रीन, चारकोल ग्रे, सफेद और काला रंग प्रमुख होंगे। विभाग ने यूनिफॉर्म को विद्यार्थियों की उम्र, कक्षा और हिमाचल की भौगोलिक एवं मौसम संबंधी परिस्थितियों के अनुसार तय किया है। नई व्यवस्था में यूनिफॉर्म को चार श्रेणियों में बांटा गया है। इनमें बालवाटिका, कक्षा 1 से 5, कक्षा 6 से 12 और सभी कक्षाओं के लिए खेल यूनिफॉर्म शामिल है।

बालवाटिका के विद्यार्थियों के लिए गर्मियों में हल्के हरे रंग की पोलो टी-शर्ट, चारकोल ग्रे शॉर्ट्स, फॉरेस्ट ग्रीन पट्टियों वाले सफेद मोजे और काले जूते होंगे। सर्दियों में चारकोल ग्रे पतलून तथा फॉरेस्ट ग्रीन स्वेटर या ब्लेजर निर्धारित किया गया है। कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए गर्मियों में हल्की हरी शर्ट, चारकोल ग्रे पतलून या स्कर्ट, फॉरेस्ट ग्रीन टाई, काली बेल्ट, निर्धारित मोजे और काले जूते होंगे। सर्दियों में फॉरेस्ट ग्रीन स्वेटर या ब्लेजर के साथ चारकोल ग्रे पतलून निर्धारित है। कक्षा 6 से 12 तक छात्रों के लिए फॉरेस्ट ग्रीन स्वेटर या ब्लेजर के साथ चारकोल ग्रे पतलून निर्धारित है। कक्षा 6 से 12 तक छात्रों के लिए हल्की हरी शर्ट, चारकोल ग्रे पतलून और फॉरेस्ट ग्रीन टाई होंगी। सर्दियों में फॉरेस्ट ग्रीन ब्लेजर या स्वेटर

पहना जाएगा। कक्षा 6 से 12 तक छात्राओं के लिए हल्की हरी कमीज या शर्ट के साथ फॉरेस्ट ग्रीन सलवार और दुपट्टा अथवा चारकोल ग्रे पतलून का विकल्प दिया गया है। सर्दियों में फॉरेस्ट ग्रीन ब्लेजर या स्वेटर होगा। कक्षा 6 से 12 तक छात्राओं के लिए स्कर्ट निर्धारित नहीं की गई है। हिमाचल के ठंडे और अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में विद्यार्थियों को मौसम से बचाव के लिए अतिरिक्त गर्म कपड़े पहनने की अनुमति होगी। इन्हें निर्धारित रंग योजना के अनुरूप रखना होगा। सर्दियों के लिए फॉरेस्ट ग्रीन स्कूल या ऊनी टोपी, निर्धारित पट्टियों वाला फॉरेस्ट ग्रीन स्कार्फ और फॉरेस्ट ग्रीन दस्ताने का प्रावधान किया गया है। सभी कक्षाओं के

समुद्र में एआई बढ़ाएगा सुरक्षा या खतरा: यूएन से जयशंकर ने

दुनिया को किया आगाह, कहा- जोखिमों को समझना जरूरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को समुद्री क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े मौकों और सुरक्षा जोखिमों पर बात की। साथ ही, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत शुरू होने का स्वागत किया। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि उन्हें ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेगोपेट्रिटिस के साथ मिलकर 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संदर्भ में एआई- समुद्री सुरक्षा पर खास जोर' विषय पर आयोजित कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता करके खुशी हुई। समुद्री क्षेत्र में एआई पर क्या बोले जयशंकर एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और



इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रहे। एआई, संसाधनों तक लोकातांत्रिक पहुंच, सुरक्षित और भरोसेमंद सिस्टम बनाने, इसानी क्षमताओं में निवेश करने और आर्थिक विकास व सामाजिक भलाई के

लिए एआई का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है। समुद्री क्षेत्र में एआई समुद्री गतिविधियों की जानकारी (मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस), खोज और बचाव, आपदा के समय कार्रवायें, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और बंदरगाहों व अहम बुनियादी ढांचे की मजबूती को बेहतर बना सकता है। साथ ही, यह जहाजों, कस्ट्युनिकेशन नेटवर्क और समुद्र के नीचे के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले एडवॉर्ड्स सर्विलांस, कमजोरियों का पता लगाने (जलरेबिलिटी मैनिंग) और साइबर ऑपरेशन को भी मुमकिन बना सकता है। इसमें जिम्मेदारी तय करने, जवाबदेही और मामलों को आगे बढ़ाने जैसे सवाल शामिल हैं।

साथ ही फैसला लेने में लगने वाले समय को भी कम किया जा सकता है।

जाने पर अधिकारी ने कहा, 'यह अमेरिका और भारत दोनों की बिल्कुल बड़ी प्राथमिकता है। '

आईएमईसी को लेकर क्या है अमेरिका का रुख: अधिकारी ने कहा कि मध्य पूर्व में हुए घटनाक्रमों के कारण इस गतिधारे की दुष्टता में आगे बढ़ने में कई बाधाएं आईं, लेकिन क्षेत्र में स्थिरता आने पर इसे फिर से पटरी पर लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत की ओर से और अमेरिका की ओर से हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में सामने आई कुछ चुनौतियों के कारण ऐसा नहीं हो सका। प्रशासन की शुरुआत में ही राष्ट्रपति के पद संभालने के समय हम इजरायल और गाजा से जुड़े मुद्दों से जुझ रहे थे। इससे निश्चित तौर पर काम रुक गया।

सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले योजनाओं का लाभ : विश्वामित्र पाठक

कड़ियार में सेवा संकल्प अभियान के तहत जन विश्वास-सह-सेवा सेतु कार्यक्रम, विकास कार्यों का लोकार्पण

सीधी । विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत कड़ियार में सेवा संकल्प अभियान के तहत मुख्यमंत्री जन विश्वास-सह-सेवा सेतु अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक विश्वामित्र पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणावादिनी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति के साथ हुआ कार्यक्रम को निर्देशित करते हुए विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुंचाना है उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति



शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में किसी

प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। विधायक ने ग्रामीणों से ग्राम सभा की बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल होने तथा अपनी

पात्रता के अनुसार विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन करने की अपील की उन्होंने कहा कि ग्रामीण शासन की योजनाओं की

जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाएं और किसी समस्या की स्थिति में संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करें कार्यक्रम के दौरान विधायक विश्वामित्र पाठक ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद किया। उन्होंने हितग्राहियों से योजनाओं से प्राप्त लाभ तथा उससे उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली इस अवसर पर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ एवं प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कड़ियार में कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया गया विधायक ने तालाब की मेड़ पर नवनिर्मित सीमेंट-कंक्रीट सड़क, चबूतरा, वस्त्र परिवर्तन कक्ष, छायादार शेड एवं

सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण किया उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों से ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध होंगी और क्षेत्र में सार्वजनिक उपयोग के संसाधनों का विस्तार होगा। विधायक ने कहा कि सिहावल विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के साथ विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में सिद्धार्थ गौतम, जयशंकर द्विवेदी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित उपाध्याय, तहसीलदार जय प्रकाश पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी श्रवण चतुर्वेदी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गोरियरा जलाशय में केज कल्चर से आत्मनिर्भरता की नई राह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम पटेहरा खुर्द की श्वेता सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर मत्स्य पालन के क्षेत्र में स्वरोजगार की नई पहल की है आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए उन्होंने गोरियरा जलाशय में केज कल्चर इकाई स्थापित कर मत्स्य पालन को आय का साधन बनाया है उनकी यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में उदाहरण प्रस्तुत कर रही है वर्ष 2022-23 में स्थापित इस इकाई में कुल 12 केज लगाए गए हैं इकाई की कुल लागत 36 लाख रुपये है जिसमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत 60 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ गोरियरा जलाशय में केज के माध्यम से वैज्ञानिक एवं आधुनिक पद्धति से मत्स्य पालन किया जा रहा है केज कल्चर के माध्यम से जलाशय में उपलब्ध जल संसाधन का उपयोग करते हुए मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है इस पहल से श्वेता सिंह चौहान को स्वयं के लिए रोजगार का अवसर मिला है साथ ही लगभग 10 से 15 सदस्य एवं परिवार प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इससे लाभान्वित हो रहे हैं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ क्षेत्र में मत्स्य उत्पादन को भी प्रोत्साहन मिला है श्वेता सिंह चौहान की पहल यह दर्शाती है कि शासकीय योजनाओं का प्रभावी लाभ लेकर आधुनिक तकनीक और मेहनत के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार की नई संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं उनका प्रयास क्षेत्र के अन्य लोगों को भी मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। गोरियरा जलाशय में स्थापित 12 केज अब केवल मत्स्य उत्पादन का माध्यम नहीं हैं बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता और महिला उद्यमिता की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन रहे हैं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के सहयोग से शुरू की गई यह पहल स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर बढ़ाने में भी योगदान दे रही है।

दिल्ली में अल्पसंख्यक कांग्रेस की बैठक, संगठन सुजन अभियान को लेकर बनी रणनीति

रीवा के मुस्तहाक खान ने लिया हिस्सा, राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करने का दिया संदेश

रीवा । मध्य प्रदेश में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के संगठन सुजन अभियान को गति देने के उद्देश्य से दिल्ली स्थित इंदिरा भवन कांग्रेस कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में संगठन सुजन अभियान के लिए नियुक्त जिला प्रभारियों ने हिस्सा लिया बैठक में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच निरंतर संवाद स्थापित करने और आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने जिला प्रभारियों को संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाना,



कार्यकर्ताओं से लगातार संवाद बनाए रखना और स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देना आवश्यक है। इस दौरान जिला प्रभारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष से सीधे संवाद करने और अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित सवाल एवं सुझाव रखने का अवसर भी मिला इमरान प्रतापगढ़ी ने विभिन्न सवालों का जवाब देते हुए संगठन सुजन अभियान को प्रभावी ढंग से

आगे बढ़ाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और अभियान की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मध्य प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रभारी आर्विंद कागजी और सह-प्रभारी लियाक़त अली गद्दी भी मौजूद रहे मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की

संगठनात्मक स्थिति और आगामी गतिविधियों को लेकर विचार साझा किए। बैठक में कांग्रेस जिला अल्पसंख्यक विभाग रीवा के जिला अध्यक्ष एवं मेहर जिला प्रभारी मुस्तहाक खान ने भी सहभागिता की। उन्होंने बैठक को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के मार्गदर्शन से पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारी सक्रियता के साथ कार्य करें। मुस्तहाक खान ने बताया कि बैठक के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने आगामी दिनों में राहुल गांधी के साथ अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्षों एवं जिला प्रभारियों की बैठक आयोजित किए जाने की जानकारी भी दी।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में बच्चों की गतिविधियों और स्वच्छता पर रहा जोर

सेवा संकल्प अभियान के तहत सीधी विधानसभा क्षेत्र के 568 आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजन, बच्चों को किया पुरस्कृत



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में 26, 28 एवं 29 सितंबर 2026 को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है अभियान के प्रथम दिन शनिवार को सीधी विधानसभा क्षेत्र के 568 आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए इन कार्यक्रमों

में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बच्चों, महिलाओं और समुदाय के लोगों ने सहभागिता की विभिन्न केंद्रों पर बच्चों के लिए गतिविधियों के साथ स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को बच्चों और समुदाय से अधिक मजबूती से

जोड़ना तथा पोषण, स्वच्छता, बाल विकास एवं जनभागीदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र परिसरों में मुनगा के पौधों का रोपण किया गया इसके साथ ही स्वच्छता अभियान चलाकर केंद्र परिसर की साफ-सफाई की गई। उपस्थित बच्चों और ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई कार्यक्रम के दौरान तीन वर्ष की आयु के बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई बच्चों ने उत्साहपूर्वक इन गतिविधियों में भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के प्रारंभिक विकास, सीखने की क्षमता और खेल आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं

सहायिकाओं ने बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता की आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री के संदेश एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री के संदेश का वाचन भी किया गया साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन एवं सेवाओं में सहयोग प्रदान करने वाली आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित समुदाय के सदस्यों ने आंगनवाड़ी सेवाओं को बेहतर बनाने तथा बच्चों के समग्र विकास के लिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह पहिरान, देव कुमार सिंह चौहान, जगदंबा सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, आशा कार्यकर्ता, बच्चे एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की 64वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित वित्तीय पत्रकों को मिली मंजूरी, 2027-28 के कार्यक्रम एवं बजट को भी स्वीकृति



सीधी (निप्र) । जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, सीधी की 64वीं वार्षिक आमसभा शनिवार को बैंक के सभाकक्ष में बैंक प्रशासक एवं कलेक्टर

विकास मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आमसभा में बैंक के वित्तीय कर्तव्यों, आगामी योजनाओं और बैंक की कार्यप्रणाली को लेकर विस्तार से

चर्चा की गई बैठक में वर्ष 2025-26 के अंकेक्षित वित्तीय पत्रकों को स्वीकृति प्रदान करने के साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2027-28 के वार्षिक कार्यक्रम एवं बजट को भी मंजूरी दी गई आमसभा के दौरान बैंक को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने तथा उसकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया बैंक प्रशासक एवं कलेक्टर विकास मिश्रा ने बैंक के अंशधारी सदस्यों से बैंक के विकास में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ऐसे में बैंक की सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग आवश्यक है कलेक्टर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष को कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में किसानों को कृषि संबंधी आवश्यक आदान समय पर उपलब्ध करना तथा कृषि विकास में सक्रिय सहयोग करने की आवश्यकता है उन्होंने बैंक की योजनाओं और गतिविधियों को किसानों की जरूरतों के अनुरूप प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया आमसभा में बैंक की वर्तमान कार्यप्रणाली, वित्तीय स्थिति तथा आगामी गतिविधियों को लेकर भी

चर्चा हुई सदस्यों ने बैंक के विकास और कार्यों को लेकर अपने विचार रखे बैठक में आगामी वर्ष के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा बैंक की सेवाओं को बेहतर बनाने से जुड़े विषयों पर भी विचार किया गया इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशय तिवारी ने भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, सहकरिता विभाग, अपेक्ष बैंक, जिला प्रशासन, आमसभा में उपस्थित अंशधारी सदस्यों तथा बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि बैंक की प्रगति में सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है।

चित्रकूट में फिर उफान पर मंदाकिनी, रामघाट में खतरे के निशान के पार पहुंचा पानी



मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के चलते चित्रकूट में मंदाकिनी नदी एक बार फिर उफान पर है। शुक्रवार शाम उत्तर प्रदेश के रामघाट में नदी का पानी खतरे के निशान को पार कर घाट की सीढ़ियों और आसपास के निचले हिस्सों तक पहुंच गया जलस्तर बढ़ता देख कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों का सामान सुरक्षित

स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की आवाजाही भी प्रभावित हुई मध्यप्रदेश की ओर आरोग्यधाम के पास 25 सितंबर की रात 8 बजे मंदाकिनी का जलस्तर 135.02 मीटर दर्ज किया गया। यह अधिकतम बाढ़ जलस्तर 139.60 मीटर से 4.58 मीटर कम है जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है

शाम ढलने के बाद नदी का पानी तेजी से बढ़ता दिखाई दिया। रामघाट की सीढ़ियों की ओर बढ़ते पानी को देखते हुए नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं प्रशासन की ओर से एनाउंसमेंट कराकर लोगों से नदी और घाट के निचले हिस्सों में नहीं जाने की अपील की जा रही है। मंदाकिनी नदी में करीब 26 दिन के भीतर दूसरी बार बाढ़ जैसे हालात बने हैं इससे पहले 29 और 30 अगस्त को भी जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया था उस दौरान रामघाट समेत कई क्षेत्रों में लोग बाढ़ की स्थिति में फंस गए थे और रेस्क्यू के लिए वायुसेना की मदद लेनी पड़ी थी।

डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर कांग्रेसजनों ने किया श्रद्धापूर्वक स्मरण

डभौरा ब्लॉक के संतोष सिंह पटेल समेत कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर



रीवा । भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण रीवा में

श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण रीवा के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि कांग्रेस संगठन महासचिव एडवोकेट रवि तिवारी रहे मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की महासचिव कविता पाण्डेय एवं पूर्व

विधायक शीला त्यागी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहें कार्यक्रम के प्रारंभ में कांग्रेसजनों ने डॉ. मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और देश के लिए उनके योगदान को याद किया मुख्य अतिथि एडवोकेट रवि तिवारी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन देश की आर्थिक नीतियों, सार्वजनिक जीवन और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण का उदाहरण है उन्होंने कहा कि वर्ष 1991 में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने व्यापक आर्थिक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने भारत की आर्थिक नीति को नई दिशा दी उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में भी देश की सेवा की उनकी सादगी, विद्वता और सार्वजनिक जीवन में गरिमापूर्ण

कार्यशैली को हमेशा याद किया जाएगा उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनके योगदान और विचारों से प्रेरणा लेते हुए संगठन को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने का कार्य जारी रखेगी। विशिष्ट अतिथि कविता पाण्डेय ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रख्यात अर्थशास्त्री और कुशल सार्वजनिक व्यक्तित्व थे उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए देश की आर्थिक नीतियों में योगदान दिया। उनका जीवन सादगी, अध्ययन और जिम्मेदारी के साथ सार्वजनिक सेवा करने की प्रेरणा देता है पूर्व विधायक शीला त्यागी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसे सदस्यों का स्वागत किया, जब वैश्विक आर्थिक संकट का व्यापक प्रभाव देखने को मिला।

उनकी आर्थिक समझ और अनुभव का देश की आर्थिक नीतियों में महत्वपूर्ण योगदान रहा उनका योगदान देश के आर्थिक एवं सार्वजनिक जीवन में सदैव स्मरणीय रहेगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के डभौरा ब्लॉक के संतोष सिंह पटेल, रमेश प्रसाद कोल, कामता प्रसाद कोल, रमेश कोल, जोधा प्रसाद कोल, ध्रुव कुमार कोल, दिलीप कुमार कोल, संतलाल वर्मा, इन्द्रबली सिंह, हरीशचन्द्र शुक्ला, दिलीप सिंह पटेल, इन्द्रपाल आदिवासी सहित अन्य लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की सभी ने संगठन महासचिव एडवोकेट रवि तिवारी के हाथों सदस्यता ली रवि तिवारी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस समाज के सभी वर्गों के हितों और अधिकारों से

जुड़े मुद्दों को उठाती रही है उन्होंने सदस्यता ग्रहण करने वाले कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों ने कांग्रेस के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करने की बात कही कोल प्रसाद कोल, ध्रुव कुमार कोल, दिलीप कुमार कोल, संतलाल वर्मा, इन्द्रपाल आदिवासी सहित अन्य लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की सभी ने संगठन महासचिव एडवोकेट रवि तिवारी के हाथों सदस्यता ली रवि तिवारी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस समाज के सभी वर्गों के हितों और अधिकारों से

जुड़े मुद्दों को उठाती रही है उन्होंने सदस्यता ग्रहण करने वाले कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। सदस्यता ग्रहण करने वाले लोगों ने कांग्रेस के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करने की बात कही कोल प्रसाद कोल, ध्रुव कुमार कोल, दिलीप कुमार कोल, संतलाल वर्मा, इन्द्रपाल आदिवासी सहित अन्य लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की सभी ने संगठन महासचिव एडवोकेट रवि तिवारी के हाथों सदस्यता ली रवि तिवारी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस समाज के सभी वर्गों के हितों और अधिकारों से

चुनाव आयोग विवाद में जवाबदेही सबकी

एक ऐसे समय जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विपक्ष के निशाने पर हैं और वह उनसे इस्तीफा मांगने में लगा हुआ है, तब किसी को दोनों चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से इस प्रश्न का उत्तर भी मांगना चाहिए कि आखिर उन्होंने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कथित मनमाने फैसलों के खिलाफ एकजुट होकर वोट क्यों नहीं किया? चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार फैसले या तो सहमति से होते हैं या फिर बहुमत से। यदि दोनों चुनाव आयुक्त चाह

लें कि मुख्य चुनाव आयुक्त के किसी प्रस्ताव या सुझाव पर अमल नहीं होना चाहिए तो वे उसके खिलाफ वोट कर उसे निष्प्रभावी कर सकते हैं। आखिर उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया?

क्यों न यह मान लिया जाए कि जिन फैसलों पर पहले उन्होंने असहमति जताई, उन पर बाद में सहमत हो गए, जैसा कि चुनाव आयोग और उसे जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है? यदि ऐसा ही हुआ तो फिर हंगामा क्यों और यदि ऐसा नहीं हुआ तो दोनों चुनाव आयुक्त सामने आकर स्थिति स्पष्ट

क्यों नहीं करते? दोनों चुनाव आयुक्तों को इस प्रश्न का भी उत्तर देना चाहिए कि आखिर उन्होंने अपनी

शिकायती चिट्ठी कैबिनेट सचिव को क्यों भेजी? क्या उन्हें यह ज्ञात नहीं था कि वे कैबिनेट सचिव के अधीन काम नहीं

करते? जब कैबिनेट सचिव चुनाव आयोग के कामकाज में कोई हस्तक्षेप कर ही नहीं सकते तो फिर उन्हें चिट्ठी लिखने का क्या औचित्य?

यदि दोनों चुनाव आयुक्तों को इस आशय की चिट्ठी किसी को लिखनी ही थी कि उनकी

जानकारी के बिना काम हो रहा है अथवा कथित तौर पर अस'वै'धानिक फैसले लिए जा रहे हैं तो

वह राष्ट्रपति को लिखनी चाहिए थी। यही नियम कहता है और इसका एक उदाहरण भी मौजूद है। एक समय मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी

ने चुनाव आयुक्त नवीन चावला के कामकाज से नाखुश होकर उनके खिलाफ राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखी थी। स्पष्ट है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की चुप्पी विपक्ष को बल प्रदान कर रही है।

चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा की रक्षा करना और उसे अपृष्ट-अनर्गल आरोपों से बचना अकेले मुख्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी नहीं। यह जिम्मेदारी दोनों चुनाव आयुक्तों की भी है। जहां तक विपक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने की बात है तो

इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इस धरना-प्रदर्शन का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को अविश्वसनीय बनाना है। विपक्ष यह माहौल बनाने की कोशिश में है कि उसे चुनावों में वांछित सफलता इसलिए नहीं मिल रही है, क्योंकि चुनाव निष्पक्ष तरीके से नहीं होते। यह और कुछ नहीं बिना किसी ठोस प्रमाण एक संवैधानिक संस्था को बदनाम करने का अभियान है। विपक्ष यह अभियान पहले भी चला चुका है और उसे नाकामी ही मिली है।

टकराव के बीच अमेरिका-चीन मिलन के कूटनीतिक समझौते

सौरभ वार्षण्य

विश्व राजनीति में अमेरिका और चीन के संबंध इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां टकराव और संवाद दोनों साथ-साथ दिखाई दे रहे हैं। एक ओर दोनों देश व्यापार, तकनीक, ताड़वान, दुर्लभ खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक प्रभाव के विस्तार को लेकर एक-दूसरे के सामने खड़े हैं, तो दूसरी ओर आर्थिक हित उन्हें बातचीत की मेज पर भी ला रहे हैं। यही विरोधाभास आज के बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी तस्वीर है। अमेरिका और चीन की हालिया नजदीकी को केवल मित्रता के रूप में देखना जितना गलत होगा, उतना ही इसे महज दिखावटी कूटनीति मान लेना भी उचित नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि दोनों महाशक्तियां यह समझ रही हैं कि लगातार बढ़ता टकराव किसी एक पक्ष के हित में नहीं है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ने का असर केवल वाशिंगटन और बीजिंग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश और विकास की गति पर पड़ता है।

यही कारण है कि तीखे बयानों और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद के दरवाजे खुले रखे जा रहे हैं। अमेरिका अपनी आर्थिक और तकनीकी बढ़त को सुरक्षित रखना चाहता है, जबकि चीन अपने औद्योगिक विस्तार, निर्यात बाजार और तकनीकी विकास के लिए स्थिर अंतरराष्ट्रीय वातावरण चाहता है। दोनों के हितों में टकराव है, लेकिन उनकी आर्थिक आवश्यकताएं उन्हें एक-दूसरे से पूरी तरह अलग होने की अनुमति नहीं देतीं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा केवल व्यापार तक सीमित नहीं रह गई है। तकनीक इस संघर्ष का नया केंद्र बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत विनिर्माण और दुर्लभ खनिज जैसे क्षेत्र अब आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़े हुए हैं। अमेरिका चीन की तकनीकी क्षमता और औद्योगिक विस्तार को लेकर सतर्क है, वहीं चीन अमेरिकी तकनीकी प्रतिबंधों को अपने विकास के रास्ते में बाधा के रूप में देखता है।

इसके बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत का जारी रहना अपने आप में महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों के बीच रणनीतिक अविश्वास समाप्त हो गया है। बल्कि इसका अर्थ यह है कि दोनों देश अपने मतभेदों को नियंत्रित रखने और उन क्षेत्रों में समझ बनाने की कोशिश कर रहे हैं जहां परस्पर हित जुड़े हुए हैं।

ताड़वान का मुद्दा इस रिश्ते की सबसे संवेदनशील परीक्षा है। व्यापार और आर्थिक मामलों में समझ विकसित हो सकती है, लेकिन ताड़वान को लेकर अमेरिका और चीन की रणनीतिक सोच में मूलभूत अंतर मौजूद है। इसी तरह दक्षिण चीन सागर, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक प्रभाव के विस्तार को लेकर भी दोनों देशों के बीच मतभेद आसानी से समाप्त होने वाले नहीं हैं। इसलिए वर्तमान नजदीकी को स्थायी दोस्ती की शुरुआत मानना जल्दबाजी होगी।

असल में अमेरिका और चीन के संबंधों में एक नई तरह की कूटनीति दिखाई दे रही है। प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व की कूटनीति। दोनों देश एक-दूसरे के प्रभाव को सीमित करना चाहते हैं, लेकिन पूर्ण टकराव से भी बचना चाहते हैं। वे व्यापार करना चाहते हैं, लेकिन रणनीतिक निर्भरता कम करना चाहते हैं। वे संवाद चाहते हैं, लेकिन अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी हितों से समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं।यही स्थिति आने वाले समय की विश्व राजनीति को भी प्रभावित करेगी। यदि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव नियंत्रित रहता है तो वैश्विक बाजारों को कुछ स्थिरता मिल सकती है। इसके विपरीत यदि शुल्क युद्ध फिर तेज होता है तो उसका असर विकासशील देशों पर भी पड़ेगा। महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला और निर्यात बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है।

भारत के लिए इस बदलते समीकरण को समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत अमेरिका के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ा रहा है, वहीं चीन भारत का पड़ोसी और एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। ऐसे में भारत के लिए किसी एक शक्ति-गुट का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संतुलित और स्वांत्र्य विदेश नीति को आगे बढ़ाना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

किथन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता में माता-पिता,गुरु और पूर्वजों के प्रति कुतज्ञता को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि जीवन-मृत्यु माना गया है।इसी भावना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वरूप है पितृ पक्ष,जिसमें मनुष्य अपने दिवंगत पूर्वजों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।वर्ष 2026 में तिथियों को लेकर 26 और 27 सितंबर का कुछ भ्रम दिखाई दे रहा है,किंतु मीडिया में आई पंचांग गणना के अनुसार 26 सितंबर 2026,शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा और पूर्णिमा श्राद्ध है,जबकि मुख्य पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध से होगा और 10 अक्टूबर 2026,शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा।पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर को पितृ पक्ष से ठीक पहले पड़ता है।प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की तर प्रारंभ होने के कारण भी दोनों तारीखों को लेकर भ्रम पैदा होता है।सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इस प्रकार धार्मिक दृष्टि से 26 सितंबर का भी श्राद्ध संबंधी महत्व है,लेकिन प्रतिपदा से आरंभ होने वाला पितृ पक्ष 27 सितंबर से माना

जाना अधिक सटीक है।परंतु में एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि पितृ पक्ष 2026 का सबसे बड़ा प्रश्न पंचांग की तारीख नहीं, बल्कि हमारे समाजिक चरित्र की तारीख बदलने का है। जिस देश की संस्कृति 'मातृ देवी भव,पितृ देवी भव' का संदेश देती है,उसी समाज के सामने आज यह असहज प्रश्न खड़ा है कि कहीं हम मृत्यु के बाद माता-पिता के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने में तो आगे नहीं बढ़ रहे, लेकिन उनके जीवित रहते हुए उनके लिए समय, संवाद, सम्मान और सहारा देने में पीछे तो नहीं हट रहे? तकनीकी और डिजिटल युग ने दुनिया को थेथेली पर ला दिया है, परंतु कई परिवारों में एक ही घर के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ने की चिंता भी लगातार व्यक्त की जाती है।नई पीढ़ी शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और वैश्विक अवसरों के कारण शहरों तथा विदेशों तक पहुंच रही है जो स्वयं में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रगति है लेकिन इस प्रगति का अर्थ माता-पिता और बुजुर्गों से भावनात्मक संबंध समाप्त होना नहीं हो सकता।तकनीक समस्या नहीं है; समस्या तब है जब सुविधा संवेदना की जगह लेने लगे।

साथियों!बात अगर हम 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक दिन के श्राद्ध को

समझने की करें तो 26 सितंबर 2026, शनिवार- पूर्णिमा श्राद्ध,27 सितंबर, रविवार- प्रतिपदा श्राद्ध, 28 सितंबर,सोमवार- द्वितीया श्राद्ध, 29 सितंबर, मंगलवार- तृतीया श्राद्ध और महाभरणी श्राद्ध 30 सितंबर,बुधवार- चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध, 1 अक्टूबर, गुरुवार- षष्ठी श्राद्ध, 2 अक्टूबर, शुक्रवार- सप्तमी श्राद्ध, 3 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी श्राद्ध, 4 अक्टूबर, रविवार- नवमी श्राद्ध, 5 अक्टूबर, सोमवार- दशमी श्राद्ध, 6 अक्टूबर, मंगलवार- एकादशी श्राद्ध, 7 अक्टूबर, बुधवार- द्वादशी और मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर, गुरुवार- त्रयोदशी श्राद्ध, 9 अक्टूबर, शुक्रवार- चतुर्दशी श्राद्ध, 10 अक्टूबर शनिवार सर्वपितृ अमावस्या

साथियों,सोशल मीडिया पर समय-समय पर ऐसे मार्मिक वीडियो,समाचार और दावे सामने आते रहते हैं।जिनमें कहीं वृद्ध माता-पिता को अकेला छोड़ने, कहीं बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और कहीं संतान द्वारा अंतिम समय में भी उपस्थित न हो पाने जैसी घटनाएं दिखाई जाती हैं। प्रत्येक वायरल वीडियो की स्वतंत्र सत्यता जांचे बिना उसे पूरे समाज का प्रतिनिधि तथ्य नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा करती हैं,यदि माता-पिता जीवित रहते हुए हमारी उपस्थिति, प्रेम और सहारे के लिए तरसते रहें,

तो उनके निधन के बाद विशाल आয়োजन महोगे,कर्मकांड और सार्वजनिक प्रदर्शन क्या उस अनुपस्थिति को भरपाई कर सकते हैं?श्राद्ध की आत्मा 'श्रद्धा' है और श्रद्धा का पहला प्रमाण जीवित माता-पिता के प्रति व्यवहार होना चाहिए। मृत्यु के बाद फूल चढ़ाना सुंदर परंपरा हो सकती है, किंतु जीवन रहते हुए प्रेम के दो शब्द, साथ बैठकर भोजन, बीमारी में सेवा, नियमित संवाद और सम्मान कहीं अधिक जीवंत श्रद्धाजलि हैं।

साथियों,यहीं पितृ पक्ष का आध्यात्मिक संदेश आधुनिक सामाजिक विमर्श में असाधारण रूप से प्रासंगिक हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने बुजुर्ग माता-पिता को अकेलेपन,आर्थिक असुरक्षा या अपमान में छोड़कर बाद में भव्य श्राद्ध आयोजित करता है,तो समाज कोकर्मकांड के साथ उसके मूल उद्देश्य पर भी विचार करना चाहिए। इसका अर्थ धार्मिक अनुष्ठानों को कमतर आंकना नहीं है; बल्कि उनके भीतर निहित कर्तव्य, सेवा और कुतज्ञता को व्यवहार में आरना है।जिस पिता ने अपनी आवश्यकताओं को सीमित करके संतान की शिक्षा पर खर्च किया, जिस मां ने अपना सुख त्यागकर बच्चों का भविष्य बनाया,उनके वृद्ध होने पर उन्हें 'बोझ' समझना केवल पारिवारिक विफलता नहीं,बल्कि

सामाजिक मूल्यों के क्षरण का संकेत है।विदेश या दूसरे शहर में रहना उपेक्षा का पर्याय नहीं होना चाहिए।आज वीडियो संवाद,तत्काल धन हस्तांतरण,स्वास्थ्य निगरानी और अनेक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हैं;अर्थात वही तकनीक जिसे दूरी का कारण माना जाता है, सही उपयोग से माता-पिता के साथ संबंध मजबूत करने का माध्यम भी सटीकता से बन सकती है।

साथियों, हिंदू धार्मिक परंपरा में पितृ पक्ष केवल कर्मकांड का समय नहीं,बल्कि अपनी जुड़ों की ओर लौटने, अपने अनेकितल के योगदान को स्वीकार करने और अगली पीढ़ी तक कुतज्ञता के संस्कार पहुंचाने का अवसर है।धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में पितर सूक्ष्म रूप से अपने वंशजों के निकट आते हैं और श्रद्धापूर्वक किए गए तर्पण, पिंडदान, अन्नदान तथा श्राद्ध को स्वीकार कर आशीर्वाद देते हैं। इसे वैज्ञानिक तथ्य के बजाय धार्मिक आस्था और परंपरा के रूप में समझना उचित है। किंतु इसके पीछे छिपा सामाजिक और दार्शनिक संदेश सार्वभौमिक है,मनुष्य अकेला नहीं बनता; उसके वर्तमान के पीछे माता-पिता और अनेक पीढ़ियों का त्याग,परिश्रम, संस्कार और संघर्ष खड़ा होता है। यही कारण है कि पूर्वज-स्मरण की परंपराएं केवल भारत तक सीमित

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता कठघरे में



भारत निर्वाचन आयोग Election Commission of India

की प्रक्रिया का हिस्सा थीं। यही वह बिंदु है जहां से असली सवाल पैदा होता है—यदि सब कुछ सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है तो फिर उन आपत्तियों, उनके जवाब और अंतिम निर्णय की प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से स्पष्ट क्यों न हो? यहां किसी रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं होगा। लेकिन उन्हें केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी पर्याप्त नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार यही है कि वह कठिन सबलों का सामना तथ्यों और दस्तावेजों के साथ करें।

सबसे गंभीर प्रश्न मतदाता सूची से जुड़ा है। चुनाव में उम्मीदवार हार-जीत सकता है, राजनीतिक दल सत्ता में आ-जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम न होना सीधे उसके संवैधानिक अधिकार को प्रभावित

करता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो निर्वाचन आयुक्तों ने मतदाता पंजीयन के फॉर्म-6 में किए गए बदलाव पर आपत्ति दर्ज की थी। उनका तर्क था कि वैधानिक प्रावधानों से जुड़े फॉर्म में बदलाव के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन जरूरी है। यह विवाद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि तकनीक और डिजिटल व्यवस्था अब चुनावी प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मतदाता सूची का डिजिटल प्रबंधन सुविधा बढ़ा सकता है, लेकिन इसके साथ जवाबदेही भी उतनी ही बढ़नी चाहिए। यदि किसी स्तर पर सॉफ्टवेयर किसी अधिकारी के निर्णय को स्वीकार नहीं करता, किसी योग्य मतदाता का नाम अटक जाता है या केन्द्रीय स्तर की तकनीकी व्यवस्था स्थानीय स्तर पर लिए गए वैधानिक निर्णय को प्रभावित करती है, तो उसके लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। रिपोर्ट में गोवा के 97 मतदाताओं से जुड़ा ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें स्थानीय स्तर पर पात्रता स्वीकार किए जाने के बावजूद सॉफ्टवेयर संबंधी समस्या का उल्लेख किया गया। यही वजह है कि चुनावी प्रक्रिया में तकनीकी गलती जैसे शब्द भी हल्के में नहीं लिए जा सकते। बैंकिंग व्यवस्था में गलत तथ्यों में पैसा चला जाए तो उसे तकनीकी ग़ुटि कहा जा सकता है और सुधार की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। लेकिन चुनाव में किसी योग्य नागरिक का वोट देने का अवसर निकल जाए तो वह गलती अगले चुनाव

तक सुधरने की प्रतीक्षा नहीं कर सकती। चुनावी अधिकार समयबद्ध होता है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। मतदाता सूची को साफ-सुथरा और अद्यतन रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मृत, स्थानांतरित, दोहराए गए या अपात्र नाम हटाना लोकातांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है। लेकिन वैध मतदाता का नाम हटाने की आशंका भी उतनी ही गंभीर है। परिचम बंगाल के मामले में आयोग ने सुप्रिम कोर्ट को बताया था कि एसआईआर और दौरेन हटाए गए 27.16 लाख नामों में से 22 लाख से अधिक मतदाताओं ने बहाली के लिए अपील की। इस आंकड़े का अर्थ यह नहीं कि हर हटायी गया नाम सही था या हर अपील अवसर की जानी चाहिए। इसका सीधा अर्थ केवल इतना है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के साथ एक मजबूत, आसान और समयबद्ध अपील व्यवस्था भी अनिवार्य है। नागरिक को यह पता होना चाहिए कि उसका नाम क्यों हटायी गया, निर्णय किस अधिकारी ने लिया, उसके पास कौन-से दस्तावेज होने चाहिए और उसकी शिकायत का अंतिम निपटारा कब तक होगा। निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेद का मुद्दा भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। तीन सदस्यीय आयोग में असहमति अपने आप में लोकतंत्र विरोधी बात नहीं है। बल्कि किसी भी संस्थागत व्यवस्था में असहमति स्वस्थ विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकती है।

पत्रकारिता की चादर पर अस्सी साल की इलाक़

कुमार कृष्ण

पत्रकारिता में अस्सी वर्ष केवल उम्र का पड़ाव नहीं होता। वे उस समय की धड़कनों को दर्ज करने का अवसर होते हैं, जिसमें एक पत्रकार ने बदलती राजनीति, समाज, सत्ता और सार्वजनिक जीवन को करीब से देखा हो। यह यात्रा तब और अर्थपूर्ण हो जाती है, जब पत्रकार अपने जीवन को केवल घटनाओं का दर्शक न बनाकर सवाल पूछने और समाज के सामने सच रखने के माध्यम के रूप में जीता रहा हो।

प्रसिद्ध पत्रकार, प्रज्ञा संस्थान के संस्थापक न्यासी और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय के अस्सी वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोह इसी अर्थ में किसी व्यक्ति के सम्मान से आगे जाता है। यह हिंदी पत्रकारिता की उस परंपरा को देखने का अवसर है, जिसमें पत्रकारिता केवल आजीविका नहीं, बल्कि सार्वजनिक दायित्व और लोकतांत्रिक चेतना का माध्यम रही है।

किसी पत्रकार के सम्मान में पुस्तक का प्रकाशन अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन इस आयोजन की सार्थकता इससे आगे है। यहां बार-बार पत्रकारिता को पेशे से अधिक एक सार्वजनिक दायित्व के रूप में देखने की बात सामने आई। राजनाथ सिंह ने रामबहादुर राय को 'सदस्य निष्प' के साथ खड़े पत्रकारिता के पर्वत' की कदम दी। उन्होंने कहा कि पत्रकार जितना सबल होगा, लोकतंत्र उतना ही प्रबल होगा। राय साहब की पत्रकारिता को उन्होंने कबीर, तुलसी और भारतेन्दु

हरिश्चंद्र की परंपरा से जोड़ते हुए कहा कि उन्होंने पत्रकारिता की चादर को कबीर की तरह निभाया, कहने की ताकत को तुलसी की तरह बरता और हिंदी को भारतेन्दु की तरह आगे बढ़ाया।

इन उपाओं के पीछे पत्रकारिता के तीन महत्वपूर्ण पक्ष दिखाई देते हैं—निर्भीकता, भाषा की शक्ति और सार्वजनिक उत्तरदायित्व। पत्रकार के पास शब्द होते हैं, लेकिन शब्दों की विश्वसनीयता केवल भाषा से नहीं बनती। वह पत्रकार के आचरण और तथ्यों के प्रति उसके आग्रह से बनती है। राजनाथ सिंह ने राय साहब को 'शब्दों का साधक' बताते हुए कहा कि उनके लिए पत्रकारिता लोकसेवा का अवसर है।

यह बात आज के समय में इसलिए महत्वपूर्ण है कि पत्रकारिता को लेकर समाज में अनेक धारणाएं बन रही हैं। कहीं उसे केवल पेशा माना जाता है, कहीं प्रभाव हासिल करने का माध्यम और कहीं सत्ता तक पहुंच का रास्ता।

लेकिन पत्रकारिता का मूल काम इससे अलग है। वह नागरिक और सत्ता के बीच सूचना और सवाल का सेतु है। उसका दायित्व है कि वह नागरिकों को तथ्य उपलब्ध कराए, सत्ता से जवाब मागे और समाज के उन हिस्सों की आवाज सामने लाए, जिनकी पहुंच सत्ता के केंद्रों तक नहीं है।

राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि राय साहब के पास संसद में जाने का विकल्प था, लेकिन वे पत्रकारिता की पाठशाला में 'अ' से 'ज' तक आए। उनकी सच्ची पत्रकारिता कई बार अपने लोगों के खिलाफ भी खड़ी दिखाई दी और उसने समय-समय

पर विपक्षियों का साहस भी बढ़ाया।

पत्रकारिता की यह कसौटी महत्वपूर्ण है। पत्रकार की निष्ठा किसी व्यक्ति, दल या समूह से अधिक सत्य के प्रति होनी चाहिए। अपने लोगों से सवाल पूछने का साहस ही पत्रकारिता को सत्ता के किसी खेम के हिस्सा बनने से बचाता है। लोकतंत्र में असहमति को जगह देना पत्रकारिता का अनिवार्य दायित्व है। आज यह सवाल सुखबीर और महत्वपूर्ण है क्योंकि समाचार माध्यमों की दुनिया तेजी से बदल रही है। अखबार के साथ चौबीस घंटे के समाचार माध्यम, डिजिटल मंच और सामाजिक माध्यमों के विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार यही है कि वह कठिन सबलों का सामना तथ्यों और दस्तावेजों के साथ करें। ऐसे समय में पत्रकारिता को अपने पुराने औजारों—तथ्य, सत्यापन, स्वतंत्रता, संतुलन और जवाबदेही—की ओर लौटना होगा।

राजनाथ सिंह ने वर्तमान पत्रकारिता के संदर्भ में इसी चिंता को सामने रखा कि कहीं पत्रकारिता अपने शुरुआती मूल्यों, अदर्शों और प्रतिबद्धताओं से दूर तो नहीं जा रही। उन्होंने कहा कि जब ऐसा संदेह उन्हें विचलित करता है तो उनके सामने रामबहादुर राय का व्यक्तित्व खड़ा हो जाता है।

यह बात केवल राय साहब की प्रशंसा नहीं,

पत्रकारिता के लिए आत्मपरीक्षण का अवसर भी है क्योंकि पत्रकारिता की विश्वसनीयता एक दिन में नहीं बनती। वह वर्षों के काम से बनती है। एक खबर, एक रिपोर्ट या एक टिप्पणी से अधिक महत्वपूर्ण पत्रकार की दीर्घकालिक सार्वजनिक विश्वसनीयता होती है। और यह विश्वसनीयता तभी कायम रहती है, जब पत्रकार अपने लिए भी वही कसौटी स्वीकार करें, जो वह दूसरों के लिए तय करता है। केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने रामबहादुर राय को धरातल के संघर्षों से लिखने वाला पत्रकार बताया। उन्होंने कहा कि राय सत्य के साथ खड़े रहते हैं और उन्होंने पत्रकारिता में सत्य के प्रश्न उठाए हैं।

'धरातल' पत्रकारिता के लिए एक महत्वपूर्ण शब्द है। भारत की कहानी केवल सत्ता के गलियारों में नहीं लिखी जाती। वह गांवों, कस्बों, खेतों, जंगलों, पंचायतों, नगर निकायों, श्रमिक बस्तियों और उन परिवारों में भी लिखी जाती है, जिनकी आवाज अक्सर बड़े समाचारों के शोर में दब जाती है।पत्रकारिता को जितना सत्ता के केंद्र से लेकर समाज के अंतिम छोर तक जा सके।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार बनवारी ने रामबहादुर राय के व्यक्तित्व के दूसरे पक्ष को सामने रखा। उन्होंने शील, निष्ठा और विनय को भारतीय परंपरा के मूल तत्व बताते हुए कहा कि राय साहब में 'साहबी' नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि मूलतः वे राजनीतिक व्यक्ति हैं, लेकिन पत्रकार के रूप में पत्रकारी मर्यादाओं का पालन करते हैं।

यह टिप्पणी भी पत्रकारिता की प्रकृति पर सोचने की विवश करती है। पत्रकार सत्ता और

समाज के बीच रहता है, लेकिन उसे सत्ता का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। उसके पास प्रभाव हो सकता है, लेकिन प्रभाव का अहंकार नहीं। पत्रकार की वास्तविक शक्ति पाठक के विश्वास से आती है।रामबहादुर राय ने स्वयं इस आयोजन को लेकर अपनी असहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे इस आयोजन के पक्ष में नहीं थे, लेकिन हेमंत शर्मा और केन्द्रीय मंत्री के आग्रह पर सहमत हुए। अपने सम्मान के अवसर पर भी उनका यह संकोच इस बात की याद दिलाता है कि पत्रकार की नजर जितनी समाज पर रहती है, उतनी अपने ऊपर भी रहनी चाहिए।इसी अवसर पर उन्होंने सत्ता के विकेंद्रीकरण से जुड़े संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों की समीक्षा का आग्रह किया। ये संशोधन क्रमशः पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के संवैधानिक आधार देने से संबंधित हैं।यह मुद्दा पत्रकारिता के व्यापक लोकतांत्रिक संरोकार से जुड़ता है।

लोकतंत्र केवल संसद और विधानसभाओं में नहीं रहता। वह पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाओं में भी सांस लेता है।नागरिक के जीवन से जुड़े फैसले जितने उसके करीब होंगे, लोकतंत्र की जड़ें उतनी ही गहरी होंगी। इसलिए पत्रकारिता का दायित्व केवल राष्ट्रीय राजनीति पर नजर रखना नहीं, बल्कि स्थानीय शासन और नागरिक जीवन की वास्तविकताओं को भी सामने लाना है।' अस्सी के राय साहब' इसी लंबे जीवन और पत्रकारीय सफ़र को अलग-अलग संस्मरणों और अनुभवों के माध्यम से सामने लाते हैं।

नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, एसजीटी विश्वविद्यालय के प्रबंध न्यासी मनमोहन चावला और प्रज्ञा संस्थान के सचिव राकेश सिंह ने रामबहादुर राय का सम्मान किया। इसी अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा द्वारा संपादित पुस्तक ‘अस्सी के राय साहब’ का लोकार्पण राजनाथ सिंह, भूपेंद्र यादव और वरिष्ठ पत्रकार बनवारी ने किया। पुस्तक में राय के जीवन और पत्रकारिता से जुड़े संस्मरण और अनुभव शामिल हैं।

सेवा संकल्प अभियान : कलेक्टर ने छात्रावास की बालिकाओं से किया संवाद, सपनों को लक्ष्य में बदलने किया प्रेरित

प्री-मैट्रिक अ.ज.जा. कन्या छात्रावास बहरासी का निरीक्षण, पढ़ाई से प्रतियोगी परीक्षाओं तक की रणनीति पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में संचालित ‘सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान के तहत जनसेवा के साथ शिक्षा और युवाओं के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास बहरासी का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत बालिकाओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा खलखो उपस्थित रहे बालिकाओं से पूछ- क्या बनाया चाहती हैं लक्ष्य को लेकर हुई चर्चा कलेक्टर सुश्री जांगड़े ने बालिकाओं से सहज संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई में रुचि, पसंदीदा



विषय और भविष्य में वे क्या करना चाहती हैं इसकी जानकारी ली उन्होंने बालिकाओं को अपने सपनों को स्पष्ट लक्ष्य में बदलने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए योजनाबद्ध तरीके से मेहनत करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े लक्ष्य की शुरुआत वर्तमान कक्षा की पढ़ाई को गंभीरता से लेने से होती है

इसलिए छात्राओं को जिस कक्षा में वे अभी अध्ययनरत हैं उसके पाठ्यक्रम और विषयों पर विशेष ध्यान देना चाहिए नियमित अध्ययन, समय का सही प्रबंधन और लगातार अभ्यास के माध्यम से पढ़ाई को मजबूत आधार दिया जा सकता है अभी से बनाएं आगे की पढ़ाई की रणनीति कलेक्टर ने छात्राओं से कहा कि केवल परीक्षा



पास करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि आगे की पढ़ाई और करियर को ध्यान में रखते हुए अभी से अपनी रणनीति तैयार करनी चाहिए उन्होंने बालिकाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप उच्च शिक्षा के विकल्पों की जानकारी लेने तथा भविष्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक आधार मजबूत

करने की सलाह दी उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए निरंतर अध्ययन, सामान्य ज्ञान, विषय की समझ, लेखन क्षमता और समय-प्रबंधन महत्वपूर्ण हैं इसलिए छात्राएं स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ अपनी सामान्य जागरूकता बढ़ाएं और प्रतिदिन कुछ समय अतिरिक्त अध्ययन के लिए निर्धारित करें

सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य- शिक्षा के माध्यम से भविष्य को मजबूत बनाना सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा जनकल्याण के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास, मार्गदर्शन और व्यक्तित्व निर्माण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है छात्रावास निरीक्षण के दौरान बालिकाओं से सीधे संवाद इसी उद्देश्य की कड़ी है ताकि उनकी आवश्यकताओं को समझने के साथ उन्हें भविष्य के लिए सही दिशा और प्रोत्साहन मिल सके कलेक्टर ने बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि आज की मेहनत ही कल के बेहतर भविष्य की नींव तैयार करती है जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले के दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में अध्ययनरत बच्चों को भी शिक्षा, मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

शराब ठेकेदार के कर्मचारियों पर युवक से मारपीट का आरोप, टीआई लाइन अटैच

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया में शराब ठेकेदार से जुड़े बताए जा रहे लोगों पर युवक को रास्ते में रोककर गाड़ी में बैटाने और मारपीट करने का मामला सामने आया है घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्टेशन रोड थाना पुलिस ने युवक बृजेश कहार की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक मदन पवार को लाइन अटैच कर जांच शुरू कराई गई है बृजेश ने पुलिस को बताया कि 23 सितंबर की शाम वह शोभापुर कलारी से शराब की बोतलें लेकर पिड्डू बैग में घर लौट रहा था। तौरान रोड पर वेंयरहाउस के पास एक बोलेरो ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि वाहन से उतरे चार लोगों ने उसका बैग चेक किया और उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर मारपीट की वायरल वीडियो में भी युवक के साथ मारपीट और शराब की बोतलों को लेकर पूछताछ करते लोग दिखाई दे रहे हैं युवक का आरोप है कि उस पर सातों बोतलें अपनी होने की बात कबूल करने का दबाव बनाया गया उसने



पुलिस को चार लोगों की पहचान गम्बर, शशि, रोहित और राजू के रूप में बताई है इस मामले में यह तथ्य भी सामने आया है कि 23 सितंबर को ही बृजेश के खिलाफ सात बोतल शराब ले जाने के आरोप में आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था थाना प्रभारी के अनुसार, बृजेश को मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया था अब पुलिस इस आबकारी प्रकरण की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है एसपी साई कृष्णा एस. थोटा ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट के मामले की जांच कराई जा रही है ठेकेदार की भूमिका सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी वहीं शराब ठेकेदार अटल राय ने आपत्तियों को अपना कर्मचारी होने से इनकार किया है पुलिस दोनों मामलों के बीच संबंध की भी जांच कर रही है।

तालाब ने बदली उमरवाह की तस्वीर, मछली पालन से आय और सिंचाई से किसानों को लाभ

एकीकृत जल ग्रहण परियोजना से जल संरक्षण के साथ वनवासी और स्व सहायता समूह को मिला आजीविका का नया अवसर

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम उमरवाह में एकीकृत जल ग्रहण परियोजना के तहत निर्मित तालाब ग्रामीणों के लिए जल संरक्षण के साथ-साथ आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बन गया है वर्ष 2024-25 में खसरा नंबर 267 में स्वीकृत राशि 18.24 लाख रुपये से निर्मित इस तालाब का उपयोग अब मछली पालन और कृषि सिंचाई दोनों के लिए किया जा रहा है इससे ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलने के साथ किसानों को खेती के लिए सिंचाई सुविधा भी उपलब्ध हुई है तालाब निर्माण के बाद ग्राम के वनवासी एवं स्व सहायता समूह द्वारा इसमें मछली पालन की गतिविधि शुरू की गई। सामूहिक प्रयास और उपलब्ध जल



संसाधन का बेहतर उपयोग करते हुए मछली पालन से लगभग 1.20 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई इससे ग्रामीणों में उत्साह बढ़ा है और स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर विकसित हुए हैं।

12 एकड़ में खेती फसल की सिंचाई: तालाब का उपयोग केवल मछली पालन तक सीमित नहीं है

बल्कि इससे कृषि क्षेत्र को भी प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। खेती सीजन में तालाब के पानी से गेहूं की फसल की सिंचाई की जा रही है इससे लगभग 12 एकड़ कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिल रही है पर्याप्त जल उपलब्ध होने से किसानों को खेती फसल की खेती में सहूलियत हो रही है और कृषि

उत्पादन को बढ़ावा मिलने की संभावना बनी है।

जल संरक्षण से आजीविका तक बड़े कदम: ग्राम उमरवाह में निर्मित यह तालाब जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों का उपयोगी उदाहरण बनकर सामने आया है एक ओर जहां तालाब ने ग्रामीण क्षेत्र में जल उपलब्धता को मजबूत किया है वहीं दूसरी ओर मछली पालन के माध्यम से वनवासी एवं स्व सहायता समूह को आय का अवसर मिला है कृषि भूमि की सिंचाई से किसानों को भी लाभ पहुंच रहा है इस प्रकार एकीकृत जल ग्रहण परियोजना के तहत निर्मित तालाब जल संरक्षण, कृषि विकास और आजीविका संवर्धन को एक साथ जोड़ते हुए ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भालूमाड़ा थाने का युवा कांग्रेस ने किया घेराव, अवैध धंधों पर कार्रवाई की मांग



मीडिया ऑडिटर, अनुपपुर (निप्र)। भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में कथित रूप से बढ़ रहे अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ शनिवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने भालूमाड़ा थाने का घेराव कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और घंटी बजाकर कानून-व्यवस्था की ओर ध्यान आकर्षित किया प्रदर्शन के बाद कोतमा एसडीओपी आरती शाक्य को 11 सूत्रीय मांगों का

कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही दिन और रात पुलिस गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने तथा अवैध कारोबार में शामिल लोगों और उनके नेटवर्क की जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग रखी गई कार्यकर्ताओं ने युवाओं को नशे, जुए और अपराध से दूर रखने के लिए विशेष जागरूकता एवं अभियान चलाने, नागरिकों की शिकायतों की समय पर और निष्पक्ष जांच

करने तथा अवैध गतिविधियों की सूचना देने वाले लोगों की पहचान गोपनीय रखने की मांग भी की युवा कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत करने और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन से ज्ञापन में शामिल मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही दिन और रात पुलिस गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने तथा अवैध कारोबार में शामिल लोगों और उनके नेटवर्क की जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग रखी गई कार्यकर्ताओं ने युवाओं को नशे, जुए और अपराध से दूर रखने के लिए विशेष जागरूकता एवं अभियान चलाने, नागरिकों की शिकायतों की समय पर और निष्पक्ष जांच



अवैध कच्ची शराब की फैक्ट्री पर छापा, दो युवक गिरफ्तार

180 लीटर शराब और 26 हजार रुपए का सामान जब्त, मौके पर लहान नष्ट



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के दिनाग थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध कच्ची शराब बनाने के ठिकाने पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है थनरा चौकी पुलिस ने ग्राम उटवाहा में दबिश कर दो यहां गजेंद्र उर्फ करुआ परिहार (25) और विकास उर्फ विकसी परिहार (22) कथित रूप से शराब बनाने की भट्टी पर काम करते मिले पुलिस ने दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया तलाशी के दौरान तीन बैगों में भरी कुल 180

करीब 26 हजार रुपए का सामान जब्त किया है पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिलने के बाद थनरा चौकी पुलिस टीम ने ग्राम उटवाहा में दबिश की यहां गजेंद्र उर्फ करुआ परिहार (25) और विकास उर्फ विकसी परिहार (22) कथित रूप से शराब बनाने की भट्टी पर काम करते मिले पुलिस ने दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया तलाशी के दौरान तीन बैगों में भरी कुल 180

लीटर कच्ची शराब बरामद की गई पुलिस ने जब्त शराब की कीमत करीब 18 हजार रुपए बताई है इसके अलावा शराब तैयार करने में इस्तेमाल किया जा रहा लोहे का ड्रम, परात, खाली ड्रम और प्लास्टिक की नली सहित अन्य सामग्री भी जब्त की गई जब्त सामान की कुल कीमत करीब 26 हजार रुपए बताई गई है पुलिस ने मौके पर मौजूद लहान को भी नष्ट कर दिया ताकि वहां दोबारा अवैध रूप से शराब तैयार न की जा सके कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को थाने लाया गया पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ दिनाग थाने में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

एकलव्य विद्यालय से स्वास्थ्य केंद्र तक कलेक्टर ने परखी व्यवस्थाएं

पिछोराबांध में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पशु चिकित्सालय बहरासी का निरीक्षण; कार्यों में गुणवत्ता और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित एवं निर्माणाधीन शासकीय संस्थानों की व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लेने के लिए पिछोराबांध एवं बहरासी क्षेत्र का निरीक्षण किया उन्होंने पिछोराबांध में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय तथा बहरासी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं पशु चिकित्सालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से कार्यों और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने



तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा एवं सुश्री नेहा

खलखो उपस्थित रहे कलेक्टर ने पिछोराबांध में निर्माणाधीन एकलव्य आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर भवन निर्माण की वर्तमान प्रगति का अवलोकन किया उन्होंने निर्माणाधीन भवन के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण करते

हुए निर्माण की गुणवत्ता, उपयोग की जा रही सामग्री, निर्धारित मापदंडों तथा कार्यों की गति की जानकारी ली उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों और शेष कार्यों की स्थिति के साथ कार्य पूर्ण होने की संभावित समय-सीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो और निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए उन्होंने कहा कि एकलव्य आवासीय विद्यालय में दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा

इसलिए विद्यालय भवन में विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ आवास भोजन, पेयजल, स्वच्छता, विद्युत तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिएइसके बाद कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहरासी का निरीक्षण किया उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं चिकित्सकीय सुविधाओं, दवाइयों की उपलब्धता मरीजों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं तथा साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के साथ आवश्यक जांच एवं दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण

बंदियों की सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता एवं जेल में भेदभाव की स्थिति का लिया जायजा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार उच्चतम न्यायालय के रिट पिटीशन सुकन्या संस्था विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में पारित निर्णय के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर द्वारा उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण किया गया 26 सितंबर 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेश पारिक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनेंद्रगढ़ लोकेश कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा, विजिटर बोर्ड की सदस्य कलेक्टर मनेंद्रगढ़ सुश्री संतन देवी जांगड़े, एसपी श्रीमती रत्ना सिंह मनेंद्रगढ़ सहित अन्य सदस्यों ने उप जेल मनेंद्रगढ़ का



निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान बंदियों से जेल में निरुद्ध रहने के दौरान मिलने वाली चिकित्सा भोजन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई साथ ही सभी बंदियों को समय पर विधिक सेवाएं, बंदियों के बैरक, बंदियों की प्रकार का भेदभाव नहीं होने के संबंध में जानकारी सुनिश्चित

की गई निरीक्षण बोर्ड द्वारा बंदियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की गई इस दौरान उप जेल मनेंद्रगढ़ ने बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की तथा बंदियों से उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक में उपलब्ध सुविधाओं एवं इसके माध्यम से बंदियों को

साफ-सफाई का भी जायजा लिया गया प्रधान जिला न्यायाधीश एवं कलेक्टर मनेंद्रगढ़ ने बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की तथा बंदियों से उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक में उपलब्ध सुविधाओं एवं इसके माध्यम से बंदियों को



प्रदान की जा रही विधिक सहायता का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान पैनल अधिकारता विनोद पासी एवं पैरालीगल वॉलेंटियर उपस्थित रहे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डिस्ट्रिक्ट

विजिटर्स बोर्ड द्वारा प्रत्येक तिमाही में उप जेल मनेंद्रगढ़ का निरीक्षण किया जाता है इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जेल में निरुद्ध बंदियों के साथ किसी भी प्रकार का जातिगत, सामाजिक अथवा अन्य भेदभाव न हो तथा उन्हें आवश्यक विधिक एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होती रहें।

नवीन अपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी की तैयारियों की समीक्षा, वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 3 अक्टूबर को नवीन अपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रस्तावित है तैयारियों को लेकर पुलिस मुख्यालय में विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई ठूबैठक में प्रदर्शनी की रूपरेखा, विभिन्न विभागों की सहभागिता और अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की समीक्षा की गई प्रदर्शनी में अपराध घटित होने से लेकर नागरिक को न्याय मिलने तक की पूरी प्रक्रिया को सरल और रोचक तरीके से प्रदर्शित किया जाएगा पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 में सूचना मिलने घटनास्थल पर पुलिस व एफएसएल टीम के पहुंचने साक्ष्य संकलन, वैज्ञानिक विवेचना, थाने में प्रकरण की कार्रवाई, सीसीटीएनए और मालखाने की डिजिटल

व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से दर्शाया जाएगा इसके साथ अभियोजन की भूमिका, जिला न्यायालय में सुनवाई, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी और उच्च न्यायालय में अपील की प्रक्रिया भी प्रदर्शित होगी। साइबर अपराध, पुलिस एफएसएल, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और आधुनिक पुलिसिंग में तकनीक के उपयोग की जानकारी वीडियो डिजिटल स्क्रीन पोस्टर और मॉडल के माध्यम से दी जाएगी प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश पुलिस की उपलब्धियों साइबर जागरूकता, नशामुक्ति सेफ क्लिक, नक्सल प्रशिक्षण सहित विभिन्न जनहितकारी अभियानों की भी प्रदर्शित किया जाएगा साथ ही प्रदेश की सांस्कृतिक ऐतिहासिक और जनजातीय विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी प्रदर्शनी लगभग पांच दिनों तक चलेगी इसमें विद्यार्थियों युवाओं स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर विश्वकर्मा ने अमोदा में आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा औबेदुल्लागंज जनपद की ग्राम पंचायत अमोदा में आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज बच्चों की संख्या, नियमित उपस्थिति तथा दैनिक गतिविधियों की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने पोषण आहार किट भी वितरित की। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क पर गिरा सूखा पेड़, श्रद्धालु बाल-बाल बचे

नौगांव-टीकमगढ़ रोड पर गरीली के पास हादसा, लोगों ने मिलकर हटाया



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में टीकमगढ़ रोड पर गरीली के पास शुक्रवार को एक सूखा पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से कुछ देर के लिए सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही रुक गई। इस दौरान कई श्रद्धालु गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए गरीली की घसान नदी की ओर आ-जा रहे थे। मौजूद लोगों ने बताया कि चिल्ला प्रजाति का यह सूखा पेड़ कई सालों से सड़क किनारे खड़ा था। शुक्रवार को तेज हवा और बारिश के दौरान यह पेड़ अचानक चरमराकर सड़क पर गिर गया। जिस समय पेड़ गिरा, उससे कुछ देर पहले ही गणेश प्रतिमा विसर्जन की एक यात्रा वहां से निकली थी। पेड़ गिरने के समय सड़क पर श्रद्धालुओं की भीड़ थी। अच्छी बात यह रही कि विसर्जन यात्रा निकलने के तुरंत बाद पेड़ गिरा और कोई इसकी चपेट में नहीं आया। अगर पेड़ कुछ पल पहले गिर जाता तो कई लोग घायल हो सकते थे या जान भी जा सकती थी।

बुरहानपुर में अवैध थराब के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

5 लीटर कच्ची थराब जब, एक महिला एर केय, बिंदी नहीं छुपी तो चक्काजाल की चेतावनी



मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के हैदरपुर गांव में अवैध थराब बिक्री के खिलाफ महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा है। उन्होंने कच्ची, पक्की और देशी-विदेशी थराब की बिक्री रोकने की मांग को लेकर एक दिन पहले शुक्रवार को प्रदर्शन किया। आरोप है कि शिकारियों के बावजूद अवैध कारोबार पर रोक नहीं लग पा रही है। वहीं पुलिस ने एक महिला पर केस दर्ज किया। महिलाओं का कहना है कि थराब के कारण कई परिवार आर्थिक और सामाजिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। नशे में लोग गली-गली और मारपीट करते हैं, जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। कच्ची थराब मिलने पर केस दर्ज होला ही में एक घर से थराब बेचने की सूचना पर महिलाएं वहां पहुंचीं और विरोध जताया। नावरा चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर करीब पांच लीटर कच्ची थराब जब्त की और एक महिला पर केस दर्ज किया।

मध्यप्रदेश में कृषि रोजगार के अंतर्गत अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के अंतर्गत भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर (ओडिशा) द्वारा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के कृषि विस्तार अधिकारियों एवं आत्मा योजना के बी.टी.एम. एवं ए.टी.एम. अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालय उप संचालक, कृषि, जिला सीहोर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद कुमार पांडा ने जल उपलब्धता के अनुरूप फसल उत्पादन बढ़ाने तथा सिंचाई जल के कुशल उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी।

इटारसी में दो युवकों के पास देसी पिस्टल मिली



3 कारतूस के साथ पुलिस ने पकड़ा; इन पर पहले से केस

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। 24 सितंबर की रात मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने सोनासांवरी क्षेत्र में चेराबंदी कर यह कार्रवाई की। पुलिस ने सोनासांवरी से अंकित वर्मा (31 वर्ष) को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देसी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और उसकी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (MP05ZL1159) जब्त की गई। वहीं, सोनासांवरी नाके के पास से

दूसरे आरोपी शुभम केवट (30 वर्ष) को पकड़ा गया, जिसके पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस

मिले। जब्त किए गए हथियारों और बाइक की कुल कीमत लगभग 1.30 लाख रुपए आंकी गई है।

● पुराना आपराधिक रिकॉर्ड मिला

दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों पर इटारसी थाने में पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को खंगालने के साथ ही यह पता लगाने में जुटी है कि वे यह अवैध हथियार कहां से और किस मकसद से लाए थे।

सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत पीढ़ी संवाद कार्यक्रम में छात्राओं की सहभागिता



जिले में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र आयोजित, बच्चों का हुआ टीकाकरण



मिला कि वरिष्ठजन अपने जीवन के अनुभवों के माध्यम से युवा पीढ़ी को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में वरिष्ठजनों के अनुभव एवं मार्गदर्शन को विशेष महत्व दिया गया है। युवा पीढ़ी और वरिष्ठजनों के बीच संवाद हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करता है तथा विद्यार्थियों में सेवा, सम्मान और संवेदनशीलता की भावना विकसित करता है।

कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने भी सक्रिय सहभागिता करते हुए छात्राओं को सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा-भावना एवं वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। 'अनुभव से भविष्य की ओर' की अवधारणा के माध्यम से छात्राओं ने वरिष्ठजनों के अनुभवों से सीखने और उन्हें सम्मान देने का संदेश प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों में सेवा-भावना, मानवीय संवेदनशीलता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा भारतीय जीवन-मूल्यों को विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

पीढ़ी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत पीढ़ी संवाद-अनुभव से भविष्य की ओर कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी एवं वरिष्ठजनों के मध्य संवाद स्थापित करना तथा वरिष्ठजनों के जीवन-अनुभवों, संघर्षों और ज्ञान से विद्यार्थियों को परिचित कराना था। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने संकल्प वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों से आत्मीय संवाद किया और उनके जीवन के अनुभवों को जाना। कार्यक्रम में छात्राओं ने वरिष्ठजनों के साथ समय बिताते हुए उनके विचारों एवं अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना। इस संवाद से छात्राओं को यह समझने का अवसर

जिले में जन-जन में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (VHND) का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि जिले में यू-विन (U-WIN) पोर्टल पर 113 सत्रों की योजना बनाई गई थी, जिनमें सभी 113 सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों के टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई।

स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्रों में प्राप्त उपलब्धियां:

आयोजित स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र 113, 0 से 1 वर्ष तक के 345 बच्चे टीकाकृत, 1 वर्ष से अधिक आयु के 136 बच्चे टीकाकृत, 51 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को निर्देशित किया कि ड्रग्स सत्रों के माध्यम से पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा गर्भवती महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाए।

सागर में रिमडिम बारिश, दिन का पारा 5 डिग्री लुढ़का



सीजन की 36 इंच औसत बारिश हुई, पिछले साल की तुलना में 17% कम

24 घंटे में 9.8 मिमी औसत बारिश

पिछले 24 घंटे में जिले में 9.8 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई। सागर में 8.8 मिमी, जैसीनगर और राहतगढ़ में 13-13 मिमी, खुरई में 11, मालथौन में 8, बंडा में 9, शाहगढ़ में 14, गढ़ाकोटा में 11 और केसली में 11 मिमी बारिश हुई। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बारिश दर्ज की गई।

सामान्य बारिश का कोटा पूरा करने 12 इंच की जरूरत

इस मानसून सीजन में जिले में अब तक 36.7 इंच औसत बारिश दर्ज हुई है। जिले की सामान्य बारिश 48.4 इंच है। इस हिसाब से सामान्य बारिश का कोटा पूरा करने अभी करीब 12 इंच औसत बारिश की जरूरत है। पिछले साल 26 सितंबर तक जिले में 44.3 इंच औसत बारिश दर्ज हुई थी। इस तरह पिछले साल की तुलना में इस वर्ष जिले में बारिश करीब 17.09 प्रतिशत कम हुई है।

कमजोर होगा: मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण छत्तीसगढ़ का डिप्रेशन सागर जिले से दक्षिण-पूर्व दिशा में बना हुआ है और उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। अगले छह हैं और रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के कारण दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। अधिकतम तापमान में 5 डिग्री और न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम पारा 18 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। बारिश से वातावरण में ठंडक बनी हुई है।

दक्षिण छत्तीसगढ़ का डिप्रेशन

सैलून संचालक पर 3 लोगों का चाकू से हमला



नर्मदापुरम में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में बाइक गिराकर किए वार, पीठ-पेट में गहरे घाव, आरोपी फरार

सड़क पर गिरते ही चाकूओं से किया हमला: बाइक का सैलून बिगड़ने से सतीश सड़क पर गिर गए। इसके बाद आरोपियों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में उनके पेट और कमर में गहरे घाव आए हैं। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। घायल सतीश ने हमलावरों में विकास सराटे का नाम पुलिस को बताया है।

पुलिस बोली- प्रतिस्पर्धा को लेकर हुआ हमला: टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि घायल सतीश सराटे और आरोपी विकास सराटे की मीना चौक पर अलग-अलग सैलून दुकानें हैं। प्रारंभिक जांच में दोनों के बीच कारोबार को लेकर प्रतिस्पर्धा की बात सामने आई है।

टीआई ने बताया कि हमले में विकास सराटे और उसके साथियों के नाम सामने आए हैं। सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। मामले की जांच जारी है।

वर्दान गार्डन के सामने गए थे। कर्मचारी को छोड़ने के बाद वे बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए तीन लोगों ने उनकी बाइक में लात मार दी।

वर्दान गार्डन के सामने गए थे। कर्मचारी को छोड़ने के बाद वे बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए तीन लोगों ने उनकी बाइक में लात मार दी।

मौडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में माखननगर रोड स्थित वर्दान गार्डन के पास शुक्रवार रात सैलून संचालक पर तीन लोगों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले उनकी बाइक में लात मारकर उन्हें सड़क पर गिराया और इसके बाद चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। हमले में सैलून संचालक के पेट और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। वारदात के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, हमले की वजह सैलून के कारोबार को लेकर चल रही प्रतिस्पर्धा सामने आई है। घायल सतीश उर्फ गब्बर सराटे ने हमलावरों में विकास सराटे का नाम बताया है। पुलिस ने आरोपी विकास सराटे और उसके दो साथियों की तलाश शुरू कर दी है।

कर्मचारी को छोड़कर लौट रहे थे सैलून संचालक: पुलिस के मुताबिक, सतीश उर्फ गब्बर सराटे की मीना चौक पर सैलून की दुकान है। इसी क्षेत्र में

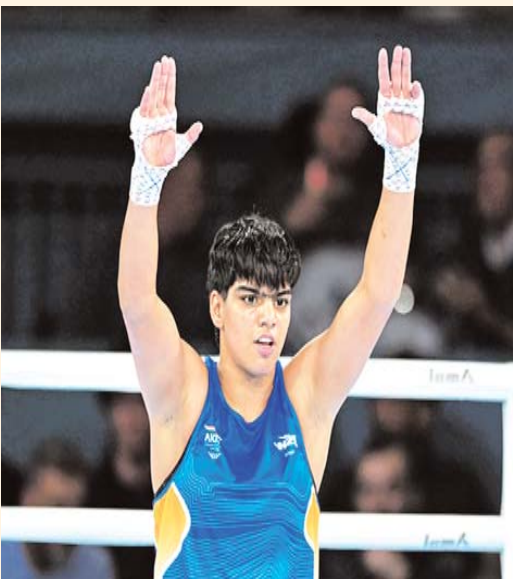
ढाबे पर खाना खाने को लेकर विवाद मंदसौर में तीन पर लाठी-तलवार से हमला, सांप निकलने के बाद गाली-गलौज से बढ़ा विवाद



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के पिपलिया मंडी में शुक्रवार देर रात एक ढाबे पर खाना खाने को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान तीन लोगों पर लाठी, तलवार और चाकू से हमला किया गया। घायलों को मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में पिपलिया मंडी निवासी परमानंद डाबो (45), सोनू डाबो (30) और ग्राम जोगानी निवासी गोपाल चौहान शामिल हैं। वे कनचगुड़ी मार्ग पर ढाबे पर गए थे। वहां सांप निकलने के बाद गोविंद से परमानंद की गाली-गलौज हुई। लाठी, तलवार और चाकू से हमला आरोप है कि गोविंद अपने भाई गोपाल को लेकर वापस आया और मारपीट शुरू कर दी। लाठी, तलवार और चाकू से हुए हमले में परमानंद के सिर में 10, सोनू के 8 और गोपाल के सिर में करीब 7-8 टांके लगे।

ओह येओनजी को हराकर प्रिया ने किया बड़ा उलटफेर

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह



निशियो एजेसी। कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रिया पांधरा ने शनिवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में साउथ कोरिया की दो बार की वर्ल्ड मेडलिस्ट ओह येओनजी को सर्वसम्मति से 5-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। प्रिया ने प्री-क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और तीनों राउंड जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्हें पांच जजों से 30-27 के तीन कार्ड और 29-28 के दो कार्ड मिले। प्रिया ने पहला राउंड 5-0 से जीता; उन्होंने सटीक पंच लगाए और ओह को 'स्टैंडिंग काउंट' के लिए मजबूर किया, क्योंकि उनके जैक्स का सामना करना दो बार की मेडलिस्ट के लिए मुश्किल हो रहा था। प्रिया दूसरे राउंड में भी शानदार रही। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया और काउंटर-पंच भी लगाए। उनके बाएं जैक्स ने उन्हें दूसरा राउंड 5-0 से जीतने में मदद की। ओह ने प्रिया पर अटैक किया और हावी होने की कोशिश की, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने कुछ काउंटर-पंच लगाए और राउंड 3-2 से अपने पक्ष में करके मैच जीत लिया। प्रिया अंतिम राउंड को क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान की मिजगोना समदोवा से भिड़ेंगी और सेमीफाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। इससे पहले, कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में ईरान के रैम एस्ताकी को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया। कपिल सोमवार को क्वार्टर फाइनल (अंतिम आठ) मुकाबले में साउथ कोरिया के किम गिचे का सामना करेंगे। वहीं, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट जादूमनी सिंह पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में फिलीपींस के कार्लो पालामा से हार गए। एशियाड में भारतीय मुक्केबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले, परवीन और अंकुश भी अपनी-अपनी कैटेगरी में क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके हैं। गुरुवार को निशियो जिम्नेजियम में राउंड ऑफ 16 में ताजिकिस्तान की मलिका नोजिमोवा से वॉकओवर मिलने के बाद परवीन महिलाओं की 65 किग्रा कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। पिछले एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल गंवाने वाली परवीन अब आइवी-नागोया गेम्स 2026 में मेडल पक्का करने से बस एक जीत दूर हैं। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान की मौजूदा वर्ल्ड सिल्वर मेडलिस्ट नवबखोर खमिदोवा से होगा।

धीरज बोम्मादेवरा ने एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर रिकर्व इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में टॉप किया



ओकाजाकी, एजेसी। भारत के धीरज बोम्मादेवरा ने शनिवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वायर में रिकर्व इंडिविजुअल आरवरी क्वालीफिकेशन इवेंट में एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर टॉप किया। ओकाजाकी, 26 सितंबर। भारत के धीरज बोम्मादेवरा ने शनिवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वायर में रिकर्व इंडिविजुअल आरवरी क्वालीफिकेशन इवेंट में एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़कर टॉप किया। धीरज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 में से 698 का स्कोर किया और इंडिविजुअल इवेंट में टॉप सीड हासिल की, जबकि भारत की टीम क्वालीफिकेशन में दूसरी सीड पर रही। धीरज ने 690 पॉइंट्स का पिछला एशियाड रिकॉर्ड तोड़ा, जो कोरिया के ली वू का था। धीरज दोनों हाफ में टॉप फॉर्म में थे और उन्होंने 360 में से 348 पॉइंट्स हासिल किए। इसके बाद तीरंदाज ने दूसरे हाफ में सुधार किया और आखिरी 36 तीरों में 350 का स्कोर किया, यानी 360 में से सिर्फ 10 पॉइंट्स गंवाए। मुकाबले में शामिल दूसरे भारतीय, नीरज चौहान और संजय यशदीप भोगे, इंडिविजुअल इवेंट में 20वें और 25वें स्थान पर रहे। नीरज ने 676 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि संजय ने इवेंट में 665 पॉइंट्स हासिल किए। इन तीनों ने टीम क्वालीफिकेशन में भारत को 2039 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर लाने में मदद की, जो कोरियाई टीम से ठीक पीछे है, जिसके 2064 पॉइंट्स थे। इससे भारतीय पुरुष टीम को प्री-क्वार्टर फाइनल में बाईं मिल गई है, क्योंकि उन्हें 32 टीमों के ड्रॉ में दूसरी सीड मिली है। धीरज को भी टॉप सीड होने के कारण दूसरे राउंड में बाईं मिली है। महिलाओं के इवेंट में भारत की चिकिथा तनिपाथी ने इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में 720 में से 705 का स्कोर बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। वह चीनी ताइपे की चें यी-हसुआन का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ने के बहुत करीब थीं, जिन्होंने 2018 गेम्स में 706 का स्कोर किया था।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड मेडल



नागोया, एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता। फाइनल मुकाबला की शुरुआत के साथ ही भारत और ईरान के बीच काटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान के स्टार डिफेंसर फजल

अत्राचली बाकी डिफेंडर्स के साथ मिलकर भारतीय रेडर्स पर हावी होने की कोशिश करते नजर आए। शुरुआती 8 मिनटों में स्कोर 5-5 से बराबर रहा। हालांकि, इसके बाद भारतीय टीम ने मैच में कुछ हद तक अपनी पकड़ बनाई और 10-8 की बढ़त हासिल की। इस दौरान राहुल को ग्रीन कार्ड भी दिया गया। अर्जुन देशवाल की एक के बाद एक शानदार रेड के चलते भारतीय टीम अपनी बढ़त को 12-9 करने में सफल रही। हालांकि, इसके बाद ईरान ने अपने मजबूत डिफेंस के दम पर वापसी करते हुए भारतीय टीम को ऑलआउट किया और 14-13 की बढ़त बना ली। हाफ टाइम तक ईरान अपनी इस बढ़त को 18-17 पर बरकरार रखने में सफल रहा। दूसरे हाफ में भी भारत और ईरान के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ईरान के मजबूत डिफेंस को भेदने के लिए भारत के रेडर्स को मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, भारतीय टीम ने मुकाबले में शानदार वापसी की और ईरान को बैकफुट पर ढकेलते हुए 34-27 की अहम बढ़त बना ली।

चारों क्वार्टर फाइनल की टीमें तय, भारत का अफगानिस्तान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए। लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है। लीग स्टेज में हुए मुकाबलों में 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप ए में नेपाल, अफगानिस्तान और जापान शामिल थे, जबकि ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान शामिल थे। ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान तथा ग्रुप बी से मलेशिया और हांगकांग ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। भारत, लंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान पहले से ही क्वार्टर फाइनल में हैं। क्वार्टर फाइनल के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और



हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28

सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से लंका और नेपाल के बीच

हार्दिक पांड्या हुए नई इंजरी का शिकार

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ नहीं खेलेंगे वनडे सीरीज



नई दिल्ली, एजेसी। लंबे समय से चोट के चलते भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से दूरी और सूजन) इंजरी हुई है। हार्दिक को खेल से दूर रहते हुए मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा है। रिहैबिलिटेशन (टीक होने की आ गए हैं। 'क्रिकबज' की खबर के अनुसार, हार्दिक का न्यूजीलैंड में होने वाली

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रहने के दौरान क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण वह बाहर हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए भी उनका चयन फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर था, हालांकि पहले वनडे मैच से दो हफ्ते से भी कम समय पहले हार्दिक की मैच खेलने की तैयारी एक बार फिर बुरी तरह पटरी से उतर गई है। हार्दिक ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच मार्च में अहमदाबाद में वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। उनका आखिरी वनडे मैच मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल था। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14 में से 10 मैचों में हिस्सा लिया था, लेकिन उसके बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है।

हार्दिक को लगातार होती एक के बाद एक इंजरी ने भारतीय टीम की परेशानी भी बढ़ा दी है। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप 2027 के लिए हार्दिक को भारतीय टीम का अहम खिलाड़ी माना जा रहा है।

पीवी सिंधु ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह, विज पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराया



इचिनोमिया, एजेसी। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की विज पिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। एशियन गेम्स में दो बार मेडल जीत चुकी सिंधु ने पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद पिन-चियन को आसानी से हरा दिया। पहले गेम में ब्रेक के समय वह 10-11 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बनाई। पहले गेम में उनके दो गेम व्हाइट हाथ से निकल गए, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने तीसरे गेम व्हाइट पर पहला गेम जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकी सिंधु दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखीं। उन्होंने दूसरे गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली और अपनी लय को बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। सिंधु अब राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजकी का सामना करेंगी, जो शनिवार को ही खेला जाएगा। मौजूदा गेम्स में इससे पहले भारतीय टीम को महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा था। इस टीम में सिंधु भी शामिल थीं। सिंधु इस बार एशियन गेम्स में मेडल जीतने की कोशिश करेंगी, क्योंकि हांगो गेम्स में वह खाली हाथ लौटी थीं, जहां वह महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई थीं। इससे पहले, उन्नति हुड्डा ने दूसरे राउंड में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 20-22, 21-9 से हराया।

भारत-वेस्टइंडीज मैच 3 अक्टूबर को

रोहित और विराट को सम्मानित करेगा पीसीए: अमरजीत मेहता

न्यू चंडीगढ़, पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह मेहता ने जानकारी दी है कि आगामी 3 अक्टूबर को न्यू पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच ऐतिहासिक मैस वनडे इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। इस खास मौके पर पीसीए भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों-रोहित शर्मा और विराट कोहली को विशेष रूप से सम्मानित करेगा। पीसीए प्रेसिडेंट ने बताया कि न्यू चंडीगढ़ का यह विश्वस्तरीय मैदान इससे पहले अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट मैचों की सफल मेजबानी कर चुका है। 3 अक्टूबर का यह मुकाबला इस मैदान के लिए आधिकारिक मैस वनडे डेब्यू होगा, जो पंजाब के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। मुकाबले का मुख्य आकर्षण रोहित और विराट होंगे, लेकिन शुभमन गिल पर भी सभी की नजरें रहेंगी।



खेला जाएगा।

चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

1 अक्टूबर को पहला सेमीफाइनल सुबह 5:30 बजे से और दूसरा सेमीफाइनल सुबह 10:30 बजे से होगा।

3 अक्टूबर को तीसरे स्थान के लिए सुबह 5:30 बजे से मैच खेला जाएगा।

फाइनल मुकाबला 3 अक्टूबर को ही सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा।

क्वार्टर फाइनल के बाद सेमीफाइनल, सेमीफाइनल के बाद फाइनल और तीसरे स्थान के लिए होने वाले मैच के लिए टीमों की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

सभी मैच निशिन, कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। सभी मैचों का समय भारतीय समयानुसार दिया गया है।

यह मेरा आखिरी वर्ल्ड कप होगा

टीम को जिताने के लिए जो भी करना पड़े, उसके लिए तैयार हूं: विराट कोहली



नई दिल्ली, एजेसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अब आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 पर अपना पूरा ध्यान लगा रहे हैं। उन्होंने माना कि साउथ अफ्रीका में होने वाला यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी वनडे विश्व कप हो सकता है। ऐसे में वह इसे यादगार बनाने और भारत को चैंपियन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के आगाज से पहले 'जियोस्टार' से बात करते हुए कोहली ने 50 ओवर के वर्ल्ड कप की खासियत के बारे में बताया और उस प्रेरणा का जिक्र किया जो उन्हें इस बड़े टूर्नामेंट की ओर ले जा रही है। कोहली ने कहा कि 50 ओवर के वर्ल्ड कप का दबाव और तीव्रता किसी भी दूसरे टूर्नामेंट से कहीं ज्यादा होती है। उनके मुताबिक, आज के दौर में वनडे क्रिकेट की रफ्तार भी टी20 जैसी हो गई है, जिससे खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का दबाव बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, '50 ओवर के वर्ल्ड कप की तीव्रता किसी भी चीज से ज्यादा होती है। अब आपको ऐसे 10 मैच खेलने पड़ेंगे, जिन्हें टी20 जैसा दबाव और गति

होती है। एक तरह से आप एक दिन में बड़ी टी20 मैच के बराबर क्रिकेट खेल रहे होते हैं।'

कोहली ने आगे कहा कि किसी बड़े टूर्नामेंट में लगभग 10 मैचों तक उसी स्तर की ऊर्जा और प्रदर्शन बनाए रखना बेहद चुनौतीपूर्ण काम है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व कप 2027 विदेशी परिस्थितियों में खेला जाएगा, जिससे खिलाड़ियों के सामने चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा, 'इतने लंबे समय तक उसी तीव्रता के साथ खेलना आसान नहीं होता। ऊपर से जब टूर्नामेंट विदेशी हालात में हो, तो उसमें और ज्यादा ऊर्जा, तैयारी और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है।'

विराट कोहली ने कहा कि वनडे विश्व कप 2027 शायद उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा और यही बात उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित करती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्व कप जिताना है और इसके लिए वह अपना सब कुछ डोकने को तैयार हैं।

कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत के लिए खेलने वाला आखिरी वर्ल्ड कप होगा। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।'

जीत के साथ आयुष शेटी और उन्नति हुड्डा ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

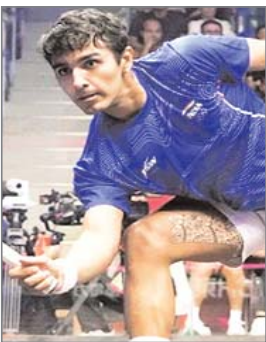
इचिनोमिया सिटी, एजेसी। एशियन गेम्स 2026 में आयुष शेटी और उन्नति हुड्डा ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन सिंगल्स मुकाबलों के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल की और भारत की सिंगल्स स्पर्धा में मेडल की उम्मीदों को बरकरार रखा। आयुष को जहां कजाकिस्तान के मखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से हारने में सिर्फ 21 मिनट लगे, वहीं उन्नति को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से कड़ी टक्कर मिली और



उन्हें 79 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आयुष के लिए दूसरे दौर का मुकाबला आसान रहा। दुनिया के 20वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और ताजीबुल्लायेव को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष की सीधे गेम में जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि दिन में बाद में होने वाले अगले मुकाबले के लिए उनकी ऊर्जा बची रहे।

अनाहत के बाद अभय सिंह ने भी बनाई फाइनल में जगह, पाकिस्तानी खिलाड़ी इरफान को दी शिकस्त

नागोया, एजेसी। भारत के अभय सिंह ने शनिवार को पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को 3-0 (11-3, 12-10, 11-6) से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, अनाहत महिला सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहले ही पहुंच चुकी हैं। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। दोनों ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने और लॉस एंजिल्स



ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करने के करीब हैं।

दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह, सौरव घोषाल के बाद एशियन गेम्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। सौरव घोषाल ने 2014 और 2023 में सिल्वर मेडल जीता था। अभय ने इरफान के खिलाफ पहला गेम 11-3 से जीतकर शानदार शुरुआत की। इरफान ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर छेट्यानी को हराया था। दूसरे गेम में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कड़ी

टक्कर दी और स्कोर 10-10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने संयम बनाए रखा और 12-10 से गेम जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरा गेम भी पहले गेम जैसा ही रहा। अभय ने खेल पर पकड़ बनाई और चार मैच व्हाइट हासिल किए। उन्होंने पहले ही मैच व्हाइट को भुनाते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज की और गोल्ड-मेडल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली। फाइनल में अभय का सामना एक और पाकिस्तानी खिलाड़ी से हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ प्रदेश लोक कलाकार कल्याण संघ के शपथ ग्रहण समारोह में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा हुए शामिल



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ प्रदेश लोक कलाकार कल्याण संघ के शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने लोक कलाकारों की सुविधाओं और उनकी कला को आगे बढ़ाने के लिए स्टूडियो निर्माण के संबंध में आश्वासन भी दिया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक कला, संस्कृति और परंपराओं से है। लोक कलाकार अपनी प्रतिभा और कला के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कलाकारों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि लोक कला को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए कलाकारों को बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कलाकारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कलाकारों के लिए स्टूडियो निर्माण की दिशा में आवश्यक सहयोग और पहल का आश्वासन दिया। स्टूडियो उपलब्ध होने से कलाकारों को अपनी कला के अभ्यास, प्रशिक्षण, रिकॉर्डिंग और प्रस्तुतियों की तैयारी के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। इस दौरान संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियों का निष्प पूर्वक निर्वहन करने तथा छत्तीसगढ़ की लोक कला एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, मनीराम साहू, संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी, बड़ी संख्या में लोक कलाकार और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बालोद सड़क दुर्घटना पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया गहरा शोक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बालोद जिले के मरकाटोला घाट में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में कई लोगों के असाधिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस हृदयविदारक घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोकाकुल परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने इश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री साय ने घायलों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम धनौली में स्वच्छता



जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत गौरला पेड़ा मरवाही जिले में सेवा, स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गौरला विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौली में स्कूली बच्चों द्वारा स्वच्छता आधारित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता का महत्व बताया और अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने ग्रामीणों से घर, विद्यालय, गली-मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने, कचरे का उचित निपटान करने तथा खुले में गंदगी नहीं फैलाने की अपील की। विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ सामुदायिक स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया। बच्चों ने ग्रामीणों को संदेश दिया कि स्वच्छता के लिए केवल शासकीय प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

स्वच्छता को आदत बनाएं, तभी शहर होंगे स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ : अरुण साव

महाराजबंध तालाब में उतरे जनप्रतिनिधि और नागरिक, श्रमदान कर दिया शहर को हमेशा साफ रखने का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शहर को हमेशा साफ-सुथरा रखने और सुंदर बनाने का संदेश देने स्वच्छता ही सेवा और सेवा संकल्प अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम की टीम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी व सामाजिक संगठन और नागरिक एक साथ श्रमदान के लिए उतरे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने खुद अभियान में सहभागिता करते हुए लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना होगा, तभी हमारे शहर स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनेंगे। रायपुर के मठगारा स्थित महाराजबंध तालाब में आयोजित अभियान में उप मुख्यमंत्री साव के साथ राज्यसभा सांसद मती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर मती मीनल चौबे, महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन और सुडा के सीईओ सुमित अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। श्रमदान के दौरान सभी ने मिलकर महाराजबंध तालाब परिसर से कचरा और गंदगी साफ की। लोगों को तालाबों और जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करते हुए तालाब में कचरा नहीं डालने और



सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया गया। अभियान ने शहर की स्वच्छता को केवल नगर

निगम या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी मानने के बजाय जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का संदेश दिया। उप मुख्यमंत्री

साव ने जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए इसे जीवन-शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की कोशिश तभी स्थायी और प्रभावी होगी, जब हर नागरिक अपने आसपास सफाई रखने को अपनी आदत और जिम्मेदारी बनाए। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सरकार की लगातार कोशिशों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। कार्यक्रम में पांच सफाई मित्रों रमेश सोना, अवधेश सोनी, घना कुरें, अमित धीवर और राहुल राजपूत को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सफाई मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए शहर को स्वच्छ रखने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। विधायक सुनील सोनी ने सेवा, सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ स्वच्छता अभियानों में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने का आह्वान किया। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए लोगों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने का संकल्प लिया। ‘सेवा मेरा योगदान’ की भावना के साथ महाराजबंध तालाब में हुए श्रमदान में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, नगर निगम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी ने स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और जनसहभागिता का संदेश दिया।

बाढ़ और जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को दिए आवश्यक निर्देश

मुख्यमंत्री ने प्रभावित जिलों के कलेक्टरों को दिए निर्देश

जरूरतमंदों तक तत्काल

पहुंवाएं सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बारिश से उत्पन्न बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित जिला कलेक्टरों को पूरी सतर्कता के साथ राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए। आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रखते हुए प्रशासन हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे। मुख्यमंत्री साय ने प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की सतत निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि निचले इलाकों तथा नदी-नालों के आसपास बसे गांवों और

व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जलभराव वाले मार्गों, पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में आवागमन को लेकर विशेष सावधानी बरती जाए तथा जोखिम वाले स्थानों पर लोगों को जाने से रोका जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से भी सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों, उफनते नदी-नालों और तेज बहाव वाले स्थानों पर न जाएं तथा जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी एडवाइजरी और दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर संभाग में लगातार हो रही भारी बारिश और कई क्षेत्रों में जलभराव एवं बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए कैबिनेट मंत्री केंदार कश्यप ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बारिश से प्रभावित क्षेत्रों, नदी-नालों के जलस्तर, आवागमन की स्थिति तथा प्रशासन द्वारा संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को पूरी सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां भी जलभराव अथवा बाढ़ की स्थिति बन रही है, वहां प्रशासन तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करे। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ उनके लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कलेक्टरों को निचले और संवेदनशील इलाकों तथा नदी-नालों के जलस्तर की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। जिन मार्गों, पुल-पुलियों या रपटों पर पानी बह रहा हो, वहां लोगों को आवागमन न करने दिया जाए। आवश्यकता के अनुसार पुलिस एवं प्रशासन की टीम तैनात कर बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। मंत्री कश्यप ने बस्तर के ग्रामीण, वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक समय

आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि किसी भी प्रभावित परिवार तक सहायता पहुंचाने में विलंब न हो। राहत शिविरों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश मंत्री कश्यप ने कहा कि जिन क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की आवश्यकता हो, वहां राहत शिविरों की समुचित व्यवस्था की जाए। शिविरों में भोजन, पेयजल, आवश्यक दवाइयों और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध हो। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बारिश और जलभराव के बाद उत्पन्न हो सकने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए स्वास्थ्य अमले को सतर्क रखने के निर्देश भी दिए।



पर सहायता पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण संपर्क मार्ग प्रभावित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्थाएं तैयार रखी जाएं और राहत दल आवश्यक संसाधनों के साथ सतर्क रहें, ताकि आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई हो सके। मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तत्काल स्थिति में तत्काल कार्रवाई हो सके। मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तत्काल स्थिति में तत्काल कार्रवाई हो सके। मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तत्काल स्थिति में तत्काल कार्रवाई हो सके।

नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

मंत्री कश्यप ने नागरिकों से अपील की कि भारी बारिश के दौरान तेज बहाव वाले नदी-नालों, जलमग्न पुल-पुलियों और रास्तों को पार करने का प्रयास न करें। जोखिम वाले क्षेत्रों में जाने से बचें और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति या सहायता की आवश्यकता होने पर तत्काल स्थानीय प्रशासन को सूचना दें।

भारी बारिश के मद्देनजर कल प्रदेश के सभी स्कूलों में रहेगा अवकाश : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश और मौसम की मौजूद स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शनिवार 26 सितंबर को प्रदेश के सभी स्कूलों में अवकाश के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारी बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव, नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि तथा आवागमन में कठिनाई की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी परिस्थितियों में स्कूली बच्चों को किसी प्रकार का जोखिम न उठना पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर के विद्यालयों में अवकाश रखने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अनुरोध किया है कि बच्चों को घर पर ही रखें। साथ ही सतर्क रहें और अनावश्यक यात्रा से बचें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों एवं सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

सड़कों, पुलों और भवनों के काम को मिलेगी रफ्तार, वर्किंग सीजन का पूरा उपयोग करने पीडब्लूडी तैयार लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माणाधीन और अप्रारंभ कार्यों को द्रुत गति से शुरू करने तैयारियों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लोक निर्माण विभाग बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की तैयारी में है। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं एवं कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर फील्ड में कार्यों को गति देने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर निर्माण सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अक्टूबर से निर्माणाधीन कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने और अप्रारंभ कार्यों को शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थलों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर ठेकेदारों को बाधामुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संचाद और अच्छा समन्वय रखते हुए टाइमलाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

बंसल ने सभी कार्यपालन अभियंताओं को हर दो महीने में अनुविभागीय अधिकारियों, सहायक



अभियंताओं, उप अभियंताओं और ठेकेदारों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग के सिविल और विद्युत-यांत्रिकी शाखा के अभियंताओं को आपसी तालमेल से काम करने को

कहा। दोनों शाखाओं के बीच समन्वय की कमी से कार्यों की प्रगति प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने एनआईटी तैयार करते समय कार्य पूरा करने की अवधि को व्यावहारिक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों का मूल्यांकन कर हर महीने भुगतान करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव बंसल ने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को कम करने विभागीय दिशा-निर्देशों, भुगतान प्रक्रिया, समय-सीमा निर्धारण और ठेकेदारों से जुड़े नीतिगत विषयों पर सुझाव भी मांगे। विभागीय सचिव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के कार्यों में ठेकेदारों की अहम भूमिका है। उन्होंने ठेकेदारों को 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए टेंडर सिस्टम में नामांकन कराने और इसके लिए विभाग द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण में भाग लेने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को अपने पास उपलब्ध संसाधनों और क्षमता के अनुसार काम लेने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गति बढ़ाने और गुणवत्ता पर भी जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, अमर सचिव एस.एन. वास्तव और सीजीआरआईडीसी के अतिरिक्त पृथ्वी संचालक शशांक पाण्डेय भी बैठक में मौजूद थे।